MUMBAI TARANG

संपादक : दिलीप नानजीभाई पटेल ❖ उप संपादकः किरीट अमृतलाल चावड़ा ❖ वर्ष-03 ❖ अंक-22 ❖ मुंबई ❖ रविवार 22 से 28 मई 2022 ❖ पृष्ठ-8 ₹4/-

RNI No. MAHHIN/2020/78591
Postal Reg. No. MNW/354/2020-2022

मुंबई तरंग

www.mumbaitarang.com

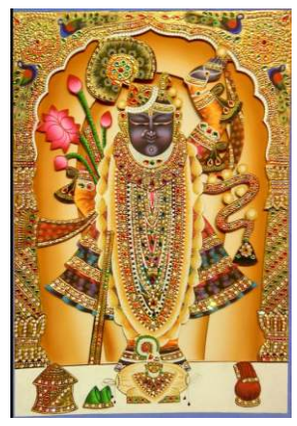

पेज 3

भ्रष्टाचार के आरोपी कारोबारी जितेन्द्र नवलानी के खिलाफ EOW को जांच करने से रोका, सोमैया का दावा

पेज 5

कुछ भी सार्थक हासिल करने में विफल रहा कांग्रेस का चिंतन शिविर : प्रशांत

पेज 7

तारक मेहता के उल्टा चश्मा में अब नहीं दिखेंगे शैलेश लोढ़ा

पेज 8

मनपा आयुक्त ने नाला सफाई और जल निकासी का किया स्थलीय निरीक्षण

एक नजर

जम्मू-कश्मीर परिसीमन आयोग के आदेश प्रभावी

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर में विधानसभा और संसदीय क्षेत्रों को फिर से परिभाषित करने वाले परिसीमन आयोग के आदेश 20 मई से प्रभावी हो गए हैं। कानून मंत्रालय ने यह जानकारी दी। आयोग के दो आदेशों में विभिन्न श्रेणियों के लिए आरक्षित निर्वाचन क्षेत्रों की संख्या से संबंधित 14 मार्च का आदेश और प्रत्येक निर्वाचन क्षेत्र के आकार से संबंधित पांच मई का आदेश शामिल है। इसकी रिपोर्ट के आधार पर केंद्रशासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर में भविष्य का विधानसभा चुनाव होगा। परिसीमन आयोग ने जम्मू क्षेत्र में छह, जबकि कश्मीर घाटी में एक विधानसभा सीट बढ़ाई तथा राजौरी व पुंछ क्षेत्रों को अनंतनाग संसदीय सीट के तहत लाने का काम किया। जम्मू-कश्मीर की 90 सदस्यीय विधानसभा में जम्मू संभाग में 43 और कश्मीर में 47 सीट होंगी।

जयशंकर ने ईरान के विदेश मंत्री के साथ बातचीत की

नई दिल्ली। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शुक्रवार को ईरान के अपने समकक्ष आमिर अब्दुल्लाहियन के साथ बातचीत की और द्विपक्षीय संबंधों के बारे में चर्चा की। जयशंकर ने ट्वीट किया, "ईरान के विदेश मंत्री आमिर अब्दुल्लाहियन के साथ अच्छी बातचीत हुई।" उन्होंने कहा हमने बातचीत के दौरान हमारे संबंधों को गति प्रदान करने के महत्व को पुनः रेखांकित किया। गौरतलब है कि जयशंकर और ईरान के विदेश मंत्री अब्दुल्लाहियन के बीच ऐसे समय में बातचीत हुई है जब यूक्रेन पर रूस की सैन्य कार्रवाई के मद्देनजर ऊर्जा सुरक्षा एवं इसके प्रभावों को लेकर दुनिया भर में चर्चा हो रही है।

हाथियों के हमले में महिला की मौत

शहडोल। मध्य प्रदेश के शहडोल जिले में पड़ोसी राज्य छत्तीसगढ़ से आए जंगली हाथियों के एक झुंड ने एक गांव में घर के बाहर सो रहे दंपति पर हमला कर दिया। हमले में एक महिला की मौत हो गई। जयसिंहनगर वन रेंज अधिकारी अभिलाषा राव कलवा के मुताबिक घटना बृहस्पतिवार रात जिला मुख्यालय से लगभग 70 किलोमीटर दूर नदामा पटौर गांव में हुई।

महंगाई पर नहीं रहा कंट्रोल

सीएनजी ने बढ़ाया कोलेस्ट्रॉल! किलो के पीछे दो रुपए बढ़े दाम

मुंबई, देश में बिना रुके और थके महंगाई का दौर लगातार जारी है। ईंधन से लेकर जरूरत की सभी वस्तुओं की कीमतें आसमान पर पहुंच गई हैं। इतना ही नहीं आए दिन पेट्रोल, डीजल, एलपीजी और सीएनजी गैस की कीमतों में बढ़ोतरी हो रही है। ऐसे में महंगाई की मार से जनता हलाकान हो चुकी है। आलम यह है कि अब केंद्र की भाजपा सरकार महंगाई को कंट्रोल करने में पूरी तरह से असफल साबित हुई है। ऐसे में शनिवार को किलो के पीछे दो रुपए बढ़ी सीएनजी की कीमत ने लोगों के कोलेस्ट्रॉल के लेवल को पार कर दिया है। बता दें कि सीएनजी की कीमत में छह दिनों में दूसरी बार वृद्धि हुई है। बढ़े हुए दाम के बाद दिल्ली में सीएनजी का रेट 75.61 रुपए प्रति किलो हो गया है। वहीं नोएडा, ग्रेटर नोएडा और गाजियाबाद में सीएनजी दाम 78.17 रुपए प्रति किलो पहुंच गया है। गुरुग्राम में भी सीएनजी के दामों में बड़ा इजाफा देखने को मिला है। वहां पर इसका रेट 83.94 रुपए किलो हो गया है। इससे पहले 15 मई को सीएनजी के दो रुपए दाम बढ़ाए गए थे। बढ़ी हुई सीएनजी सिर्फ इस साल से नहीं मिल रही है। ये दौर पिछले साल अक्टूबर से समय-समय पर देखने को मिल रहा है। 15 मई को ही दिल्ली में सीएनजी 73.61 रुपए प्रति किलोग्राम की गई थी। तब नोएडा में 76.17 रुपए प्रति किलोग्राम और गुरुग्राम में 81.94 तक रेट पहुंचा था।

पेट्रोल-डीजल की कीमतें स्थिर

सरकारी तेल कंपनियों ने शनिवार के लिए पेट्रोल-डीजल के नए रेट जारी कर दिए हैं। पेट्रोल डीजल के दाम में एक बार फिर किसी प्रकार का कोई बदलाव देखने को नहीं मिला। बीते डेढ़ महीने से तेल के दाम स्थिर हैं।

कच्चा तेल भी 110 डॉलर के पार

गैस कीमतों के साथ-साथ कच्चा तेल भी लगातार महंगा हो रहा है। इसकी कीमतें लगातार 110 डॉलर प्रति बैरल के पार बनी हुई हैं। शनिवार को कच्चे तेल की कीमत 112 डॉलर प्रति बैरल के ऊपर ट्रेंड कर रहा है। ऐसे में पेट्रोल-डीजल के दाम भी बढ़ने का दबाव बना हुआ है।

टैक्सी, रिक्शा और कैब सर्विस पर पड़ा असर

सीएनजी के बढ़े हुए दामों का असर टैक्सी और कैब सर्विस पर काफी देखने को मिल रहा है। जब से सीएनजी के दामों ने आसमान छूना शुरू किया है, ओला-उबर की सवारी भी काफी महंगी हो गई है। ऐसे में फिर से सीएनजी के दाम बढ़ने से इसका सीधा असर टैक्सी और दूसरी कैब सर्विस वाली गाड़ियों पर पड़ने वाला है।

80 के पार पहुंच सकती है सीएनजी

सीएनजी आम लोगों के लिए सस्ता ईंधन विकल्प था। इसका इस्तेमाल भी तेजी से बढ़ रहा है। सीएनजी गाड़िया महंगी होने के बावजूद लोग खरीदते हैं। लेकिन अब ये विकल्प भी लगातार महंगा हो रहा है। पेट्रोल-डीजल को पहले से ही 100 रुपए के पार चल रहा है। अब सीएनजी भी 80 रुपए पार करने की लाइन में लग गई है। यह जानकारों का कहना है। हिंदुस्थान कई सालों से कतर, मस्कट और अरब देशों से गैस खरीद रहा है। अभी तक उसे 20 डॉलर प्रति सिलिंडर के हिसाब से गैस मिलती थी। रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद उपजे संकट की वजह से यूरोपीय देशों में गैस की कीमत बढ़कर 40 डॉलर के आस-पास पहुंच गई है। हिंदुस्थान को भी अब इसी कीमत पर गैस मिल रही है। ऐसे में कंपनियों पर भी लागत का बोझ बढ़ गया है।

मुंबई के कई इलाकों में 24 से 27 मई तक होगी पानी की होगी कटौती

मुंबईः महाराष्ट्र के कई इलाकों में पेयजल संकट गहराया हुआ है. नागपुर में तो लोग पीने के पानी के लिए तरस रहे हैं. वहीं मुंबई में भी पानी कटौती की तैयारी की जा रही है. दरअसल बीएमसी ने पानी कटौती की जानकारी दी है. बीएमसी ने कहा है कि 24 मई से 27 मई तक मुंबई में पानी की कटौती की जाएगी.

मुंबई में 24 मई से 27 मई तक 5 फीसदी पानी की कटौती होगी

बता दें कि बीएमसी द्वारा जारी बयान में कहा गया है कि मंगलवार, 24 मई से 27 मई तक सुबह 11 बजे से दोपहर 3 बजे के बीच 5% पानी की कटौती होगी. बीएमसी ने अपने बयान में कहा, 'संबंधित क्षेत्र के नागरिकों से अपील है कि ऊपर बताई गई अवधि के दौरान पानी काटे जाने से एक दिन पहले पानी का जरूरी स्टॉक रखें.

इन इलाकों में पानी की आपूर्ति होगी प्रभावित

गौरतलब है कि दक्षिण मुंबई के कई इलाकों जैसे कोलाबा, कफ परेड, नरीमन प्वाइंट, चर्चगेट, फोर्ट, क्रॉफर्ड मार्केट, भिंडी बाजार और कुर्ला, गोवंडी, मानखुर्द, चेंबूर, तिलक नगर जैसे पूर्वी उपनगरों में पानी की आपूर्ति प्रभावित होगी. इसलिए लोगों को पहले ही बीएमसी द्वारा जानकारी दे दी गई है ताकि उन्हें असुविधा का सामना न करना पड़े

मोदी सरकार पर निशाना

पटोले बोले - चिंताजनक हैं देश के हालत, धार्मिक तनाव बढ़ा रही सरकार

मुंबई। देश के मौजूदा हालात बेहद चिंताजनक हैं। डॉलर के मुकाबले रुपए के मूल्य में लगातार गिरावट हो रही है। तेजी से बढ़ रही महंगाई और बेरोजगारी की समस्या काफी विकट होती जा रही है। पर केंद्र सरकार इन ज्वलंत मुद्दों से लोगों का ध्यान भटकाने के लिए देश में धार्मिक तनाव पैदा करने में जुटी है। यह बात प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष नाना पटोले ने कही। शुक्रवार को पत्रकारों से बातचीत में कांग्रेस नेता ने कहा कि कांग्रेस आम जनता के हित में भाजपा की केंद्र सरकार से जवाब मांगती रहेगी। उन्होंने कहा कि केंद्र की मोदी सरकार हर मोर्चे पर फेल साबित हुई है। केंद्र सरकार महंगाई, किसान, मजदूर, युवा और गरीबों की समस्याओं का समाधान नहीं कर पाई है। आज देश के हालात को देख कर कांग्रेस पार्टी काफी चिंतित है। पटोले ने कहा कि लोगों को न्याय दिलाने के हमारी लडाई जारी रहेगी। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार को देश के धार्मिक माहौल को खराब करने की जगह लोगों को महंगाई और बेरोजगारी से राहत देने के लिए फैसला लेना चाहिए। पटोले ने कहा कि हमें दूसरों से हिंदू धर्म के बारे में सीखने की जरूरत नहीं है, मानवता ही सच्चा धर्म है और इसे बढ़ावा देने के लिए सभी को मिल कर पहल करनी चाहिए। अगर सरकार जनता की समस्याओं का समाधान नहीं करती है तो ऐसी सरकार का क्या फायदा है? कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि हमारी पार्टी लगातार लोगों के मुद्दों को लेकर सड़कों पर उतरी है। आज भी हम लोगों के सवाल के लिए केंद्र सरकार के खिलाफ खड़े हैं। पटोले ने कहा कि राज्य में विपक्षी दल महंगाई के लिए महाविकास अघाड़ी सरकार को जिम्मेदार बता रहे हैं, लेकिन सच्चाई यह है कि हमारी सरकार ने पिछले ढाई साल में कोई टैक्स नहीं बढ़ाया।

पुणे में गरजेंगे राज ठाकरे

सभा के पहले टीजर जारी, हिंदुत्व के मुद्दे पर रहेगा जोर

मुंबईः महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के अध्यक्ष राज ठाकरे की 22 मई को पुणे में होने वाली सभा के पहले एक टीजर रिलीज किया गया है। जिसमें यह बताने की कोशिश की गई है कि ठाणे, संभाजी नगर और अब पुणे की सभा में भी मनसे हिंदुत्व के मुद्दे पर अपना दमखम दिखाएगी। इस टीजर में औरंगाबाद को संभाजीनगर लिखा गया है। टीजर की शुरुआत राज ठाकरे की आवाज में उनके लाउडस्पीकर उतारने से संबंधित भाषण की क्लिप को जोड़ा गया है। आपको बता दें कि राज ठाकरे 22 मई को अयोध्या दौरे को लेकर भी बातचीत करेंगे।

अयोध्या दौरा स्थगित क्यों?

राज ठाकरे के बहुप्रतीक्षित अयोध्या दौरा के फिलहाल स्थगित होने के बाद पार्टी कार्यकर्ताओं का जमावड़ा उनके शिवाजी पार्क स्थित घर कृष्ण कुंज पर लगना शुरू हो चुका है। राज ठाकरे आगामी 5 जून को अयोध्या दौरे के लिए जाने वाले थे। हालांकि खराब स्वास्थ्य की वजह से फिलहाल उन्होंने अयोध्या दौरा रद्द कर दिया है। जानकारी के मुताबिक राज ठाकरे के पैर में तकरीबन डेढ़ साल पहले एक वक्त हुआ था। जिसका मुंबई के लीलावती अस्पताल में छोटा ऑपरेशन भी किया गया था। अब उस जगह पर दोबारा दर्द शुरू हुआ है।

नवनीत राणा को BMC का दूसरा नोटिस!

संतोषजनक जवाब न मिलने पर हो सकती है कार्रवाई

मुंबईः महाराष्ट्र के अमरावती की सांसद नवनीत राणा और उनके पति रवि राणा की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। बृहनमुंबई महानगर पालिका ने अब राणा दंपत्ति को दूसरा नोटिस भेजा है। यह नोटिस उनके मुंबई के खार स्थित घर में हुए अवैध निर्माण को लेकर भेजा गया है। बीएमसी को बीती शाम राणा दंपत्ति द्वारा नोटिस का जवाब दिया गया है। हालांकि उनके जवाब से बीएमसी संतुष्ट नहीं है। इसीलिए उन्हें दूसरा नोटिस भेजा गया है। जिसका जवाब अगले 7 दिनों के अंदर राणा दंपत्ति को देना होगा। राणा दंपत्ति द्वारा दिए गए जवाब से यदि बीएमसी संतुष्ट नहीं हुई तो उनके घर पर हुए अवैध निर्माण को तोड़ने के संबंध में अंतिम निर्णय ले सकती है।

पहले भी भेजा गया नोटिस

आपको बता दें कि मुंबई के खार इलाके में राणा दंपत्ति का एक फ्लैट है। जिसमें बीएमसी को अवैध निर्माण करवाए जाने का शक है। इस प्रकरण में 4 मई को महानगर पालिका के अधिकारियों ने नवनीत राणा के घर का मुआयना भी किया था। इस इंस्पेक्शन के पहले राणा दंपत्ति को बाकायदा बीएमसी ने नोटिस भी भेजा था। हालांकि तब नवनीत राणा के घर पर कोई मौजूद नहीं था। उसके बाद बीएमसी दोबारा उनके घर पर जांच पड़ताल के लिए गई थी।

जेल से सशर्त रिहाई

मुंबई सत्र न्यायालय ने राणा दंपत्ति को कुछ शर्तों के साथ जमानत दी थी। जिसमें प्रमुख शर्त यह थी कि वह मीडियाकर्मियों से बातचीत नहीं करेंगी। जेल से छूटने के बाद नवनीत राणा सीधे मुंबई के लीलावती अस्पताल में भर्ती हुई थीं। उन्हें सीने, गले में दर्द और स्पॉन्डिलाइटिस की शिकायत थी।

नवाब मलिक का डी गैंग से संबंध ! अदालत ने लिया संज्ञान, बढ़ सकती हैं मुश्किलें

मुंबईः महाराष्ट्र के कैबिनेट मिनिस्टर नवाब मलिक की मुश्किलें बढ़ती हुई नजर आ रही हैं।

उनके अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम के गैंग से संबंध थे। इस बात को अदालत ने भी माना है। कुछ दिनों पहले नवाब मलिक के खिलाफ ईडी (E D) ने चार्जशीट दाखिल की थी। जिसमें यह आरोप लगाया था कि गोवावाला कंपाउंड की जमीन को हासिल करने के लिए नवाब मलिक ने साजिश रची थी। उन्होंने हसीना पारकर के साथ कई बार मीटिंग की और मनी लॉन्ड्रिंग भी की थी। अदालत की इस कार्यवाही के बाद मलिक की मुश्किलें बढ़ती हुई नजर आ रही है। ईडी ने आरोप लगाया है कि हसीना पारकर, सरदार शाहवली खान, के साथ मलिक ने मीटिंग्स की थी। उनपर यह भी आरोप लगाया है कि वो सलीम पटेल, हसीना पारकर, सरदार शाहवली खान के संपर्क थे। दाउद गैंग से संबंध रखकर मलिक ने गोववाला कंपाउंड की जगह हासिल की थी।

मलिक पर गंभीर आरोप

नवाब मलिक को प्रवर्तन निदेशालय ने फरवरी माह में गिरफ्तार किया था। उस समय अदालत में जिरह के दौरान ईडी ने मलिक पर अंडरवर्ल्ड से संबंध रखने और टेरर फंडिंग का आरोप लगाया था। ईडी ने तब अदालत में कहा था कि नवाब मलिक के अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम गैंग के गुर्गों से संबंध हैं।

साथ ही उनका हवाला जैसी अवैध गतिविधियों में सीधा संबंध भी है।

ईडी ने कहा था कि इस मामले की जांच होना बहुत जरूरी है।

इसलिए नवाब मलिक की कस्टडी मिलनी चाहिए। तभी मलिक और अंडरवर्ल्ड के संबंधों का खुलासा हो सकेगा।

नवाब मलिक ने खराब सेहत का हवाला देते हुए अदालत से जमानत की अर्जी लगाई थी। अदालत ने इस अर्जी को नामंजूर कर दिया था।

अभी भी समय हैः मुस्लिम धार्मिक, सामाजिक और राजनीतिक नेताओं को विभाजनकारी वोटों को रोकने के लिए एक साथ आना होगा

IMDC इंडियन मुस्लिम डेवलोपमेन्ट कौंसिल प्रेसिडेंट यूसुफ परमार

गुजरात विधानसभा चुनाव से कुछ ही महीने पहले, राज्य के लगभग सभी समूहों और जातियों ने शतरंज खेली है और अपने ही समुदाय के एक व्यक्ति को राज्य का मुख्यमंत्री बनाने के लिए पैरवी करना शुरू कर दिया है, लेकिन दुख की बात है कि मुस्लिम समुदाय अभी भी मैदान से बाहर नहीं है। कुछ दलों के नेताओं ने राज्य का दौरा किया है और राजनीतिक माहौल की समीक्षा की है, लेकिन सामाजिक, धार्मिक और राजनीतिक नेता जिनके पास मुस्लिम समुदाय को मार्गदर्शन या सलाह देने की जिम्मेदारी है, वे अभी भी पीछे हैं। जमात-ए-इस्लामी, जमीयत-ए-उलेमा, मल्ली काउंसिल, मजिस मुशावरत, ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड, सुन्नी मुस्लिम वक्फ कमेटी, अहले सुनंत वाल जमात जैसे राज्य में काम कर रहे मुस्लिम समुदाय के संगठन के लिए समय निकल रहा है। , सक्रिय करता

है। गौरतलब है कि अन्य जातियों के नेताओं ने आज से तीन-चार महीने पहले ही राजनीतिक उथल-पुथल शुरू कर दी थी और अपना गठबंधन बना लिया था, लेकिन राजनीतिक नेता जिन पर विशेष रूप से मुस्लिम समुदाय की बड़ी जिम्मेदारी है, कोई रणनीति नहीं बना सके। बल्कि एक दूसरे पर कीचड़ उछालने लगे हैं. चुनाव के समय जल्दबाजी में किया गया आखिरी कदम समाज के लिए नुकसानदायक होगा। राज्य में किसी भी समय चुनाव कराने के लिए सभी राजनीतिक दलों ने अपनी तैयारी शुरू कर दी है, इसलिए हमारा भी कर्तव्य है कि समाज के ठेकेदारों को जगाएं और मतदान के दिन अपने वोटों को बर्बाद होने से बचाएं. कांग्रेस, एनसीपी, आम आदमी पार्टी, मजलिस इत्तेहाद मुस्लिमीन यानी मजलिस, एसडीपीआई और बीजेपी, ओर अन्य पार्टी ने भी राज्य में मुस्लिम वोट हासिल करने की कवायद शुरू कर दी है. हम आशा करते हैं कि ऊपर वर्णित संस्थाएं भी मुस्लिम समुदाय के विभाजनकारी वोटों को रोकने के लिए समाज को मार्गदर्शन और सलाह देने में सक्रिय और सक्रिय होंगी।

राजीव हत्याकांड:आखिर मिली रिहाई

सुप्रीम कोर्ट ने राजीव गांधी हत्याकांड में उम्रकैद की सजा भुगत रहे एजी पेरारिवालन को आखिर रिहा करने का आदेश दे दिया। 51 वर्षीय पेरारिवालन को जेल में 31 साल हो चुके थे। रिहाई की बात काफी समय से चल रही थी, लेकिन कई कारणों से यह मसला लंबा खिंचता चला जा रहा था। एक तरफ पूर्व प्रधानमंत्री की हत्या का यह मामला पूरे देश की संवेदना से जुड़ा था तो दूसरी तरफ तमिलनाडु की क्षेत्रीय राजनीतिक पार्टियां लगभग निरपवाद रूप से स्थानीय भावनाओं से निर्देशित हो रही थीं। इसी वजह से केंद्र और राज्य की सरकारों के रुख में ऐसा विरोधाभास आ गया था, जो कई तरह की कानूनी उलझनों का कारण बनता चला गया। जहां राज्य में एक के बाद एक बनने वाली सरकारें रिहाई सुनिश्चित कराने का प्रयास कर रही थीं, वहीं केंद्र की सरकारें हर उपलब्ध न्यायिक मंच पर इसका विरोध करती रहीं। राज्यपाल भी हर तरह से केंद्र का साथ देते रहे। स्थिति यह थी कि

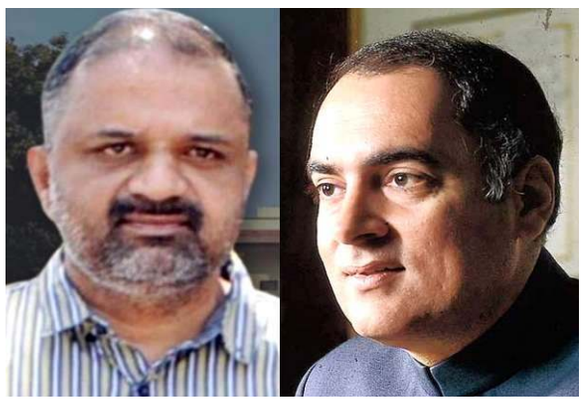

पेरारिवालन को दो अन्य लोगों के साथ 9 सितंबर 2011 को ही फांसी पर लटका दिया गया होता, अगर मद्रास हाईकोर्ट ने महज एक हफ्ता पहले इस पर स्टे न दे दिया होता। इस लिहाज से देखा जाए तो पूर्व प्रधानमंत्री की हत्या के मामले में दोषी करार दिए गए एक व्यक्ति का इस तरह रिहा किया जाना देश के न्यायिक इतिहास की एक महत्वपूर्ण घटना है। इस फैसले के जरिए सुप्रीम कोर्ट ने न केवल भारत की न्याय व्यवस्था में निहित मानवीय गरिमा को रेखांकित किया है बल्कि कई अहम कानूनी जटिलताओं को भी दूर करने की कोशिश की है। ध्यान रहे, तमिलनाडु कैबिनेट ने 9 सितंबर 2018 को ही पेरारिवालन को रिहा करने की सिफारिश करते हुए राज्यपाल से अनुरोध किया था कि वह अनुच्छेद 161 के तहत इसे मंजूरी दे दें। मगर राज्यपाल ने ढाई साल तक इसे लटकाए रखा और फिर राष्ट्रपति के पास भेज दिया। सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में स्पष्ट कर दिया है कि इस मामले में राज्यपाल द्वारा कैबिनेट की सिफारिश पर अमल न करते हुए इसे लंबे समय तक लटकाए रखना उपयुक्त नहीं था और यह रवैया न्यायिक समीक्षा के दायरे में आता है। इतना ही नहीं, इस मामले को राष्ट्रपति के पास भेजे जाने का भी कोई संवैधानिक औचित्य नहीं था क्योंकि संविधान या कानून केंद्र को ऐसे मामलों में राज्य सरकार के फैसले को पलटने या उसे किसी रूप में बदलने का अधिकार नहीं देता। जाहिर है, सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले ने कानूनी तौर पर बहुत सारी धुंध साफ की है। राजनीतिक तौर पर देखा जाए तो राजीव गांधी हत्याकांड में वोटरों की कितनी भावनाएं बची हुई हैं और इसका कौन किस हद तक फायदा उठा सकता है, यह साफ होने में थोड़ा वक्त लगेगा। लेकिन केंद्र और राज्यों में बढ़ते टकराव वाले इस दौर में राज्यपाल की शक्तियों पर कुछ हद तक ही सही पर कानूनी अंकुश लगने के अपने मायने तो हैं ही।

गेहूं पर गलती

किरीट ए. चावड़ा

निजी क्षेत्र की ओर से गेहूं के निर्यात पर रोक लगाने के भारत सरकार के फैसले ने राष्ट्रीय ही नहीं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी अनिश्चितता और बेचैनी उत्पन्न कर दी है। गुजरात के कांडला पोर्ट ट्रस्ट पर पांच हजार ट्रकों की लाइन लगी हुई है। सरकार ने निर्यात पर रोक के अपने फैसले में इतनी छूट जरूर दी है कि 13 मई तक जो कन्साइनमेंट इन्स्पेक्शन के लिए पेश किए जा चुके थे या कस्टम डिपार्टमेंट में रजिस्टर किए जा चुके थे, उन्हें इस फैसले से बाहर रखा जाएगा। इससे आधे भरे जा चुके जहाजों को जरूर राहत मिली है, लेकिन बाहर खड़ी ट्रकों का मामला नहीं सुलझने वाला क्योंकि इनमें से ज्यादातर सरकार द्वारा दी गई छूट के दायरे में नहीं आते। पोर्ट ट्रस्ट पर गेहूं के बढ़ते स्टॉक की वजह से न केवल पोर्ट के गोदाम बल्कि प्राइवेट गोदाम भी भरते जा रहे हैं। इनका किराया 200 फीसदी तक बढ़ गया है, जिससे अन्य वस्तुओं के निर्यात पर बुरा असर पड़ेगा। अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सरकार के इस फैसले का असर दिखने लगा है। यूक्रेन युद्ध के चलते गेहूं सप्लाई की पहले से बिगड़ी स्थिति के कारण फैसला आते ही गेहूं की कीमतें बढ़ने की खबर आने लगी। अमेरिका और जर्मनी जैसे देश भारत सरकार से फैसले पर पुनर्विचार की अपील भी कर रहे हैं। इसकी वजह यह है कि भारत के फैसले से वैश्विक स्तर पर गेहूं की

उपलब्धता पर असर पड़ सकता है, जो दुनिया में इस अनाज का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक है। बहरहाल, सरकार के फैसले के पीछे मूल चिंता घरेलू बाजार में गेहूं की बढ़ती कीमतों को लेकर है। इस चिंता को गलत नहीं कहा जा सकता, लेकिन इसके लिए अपनाए गए उपाय पर जरूर सवाल खड़े होते हैं। गेहूं के दाम में हो रही बढ़ोतरी के पीछे यह अनुमान है कि रबी की उपज कम होगी। इसीलिए निर्यात पर रोक का फैसला बाजार की चाल पर निर्णायक असर नहीं डाल पाया। फैसले के एक दिन पहले यानी 12 मई को देश में गेहूं का औसत थोक मूल्य 2591 रुपये प्रति क्विंटल था, जो दो दिन बाद गिरकर 2483 रुपये प्रति क्विंटल हुआ। लेकिन अगले दो दिन में फिर उठकर 2583 रुपये प्रति क्विंटल पर आ गया। दूसरी बात यह कि निर्यात पर रोक का फैसला किसानों के लिए भी नुकसानदेह है। इसके बजाय सरकार गेहूं का न्यूनतम समर्थन मूल्य 2015 रुपये प्रति क्विंटल से बढ़ा देती तो न केवल किसानों का फायदा होता बल्कि सरकार के भंडार भी भरे होते और वह घरेलू बाजार में कीमतों को प्रभावित करने के लिहाज से मजबूत स्थिति में होती। निर्यात पर रोक ने न केवल मित्र देशों को शिकायत का मौका दिया है बल्कि किसानों में भी बेचैनी पैदा कर दी है। इस पर फिर से विचार होना चाहिए।

कांग्रेस को दूर करनी होगी गलतफहमी

गणेश पाण्डेय

अगर आप कांग्रेस के हमदर्द हैं, तो आपने पार्टी के तीन दिवसीय चिंतन शिविर में सोनिया गांधी के उद्घाटन भाषण के बारे में पढ़ा होगा, जिसका समापन कुछ दिन पहले हुआ। उन्होंने कहा कि एक असाधारण स्थिति के लिए असाधारण समाधान की जरूरत होती है। शिविर में जिन मुद्दों पर चर्चा हुई और जो प्रस्ताव पास हुए, आप उनसे खुश हैं या निराश, यह इस बात पर निर्भर करता है कि पार्टी की मौजूदा लीडरशिप को लेकर आप क्या महसूस करते हैं।

जाखड़ को सुनिए

सोनिया का भाषण तो ठीक है, लेकिन आपको पंजाब के पूर्व पीसीसी प्रमुख सुनील जाखड़ को सुनना चाहिए था। जब उदयपुर की बैठक चल रही थी तो उन्होंने 14 मई को कांग्रेस छोड़ दी थी। पार्टी की असाधारण स्थिति के बारे में जाखड़ का निदान कहीं बेहतर था। फेसबुक पर आए उनके 40 मिनट के भाषण में कांग्रेस के संकट की प्रकृति पर चिंतन शिविर में चर्चा की तुलना में अधिक स्पष्टता थी, कंटेंट भी अधिक था।

उदयपुर शिविर में फोकस भारत की चुनौतियों पर था, न कि कांग्रेस पार्टी की दुश्वारियों पर। शिविर में 6 मुद्दों पर विचार-मंथन के लिए आमंत्रित 430 प्रतिनिधियों के अलग-अलग ग्रुप बनाए गए थे। ये मुद्दे थे- राजनीतिक, आर्थिक, संगठनात्मक, सामाजिक न्याय, युवा और किसान। इसमें कोई शक नहीं है कि मुख्य विपक्षी दल के रूप में कांग्रेस को राष्ट्रीय मुद्दों पर विचार-विमर्श करना चाहिए और बीजेपी सरकार की विफलताओं को सामने लाते रहना चाहिए। लेकिन निश्चित रूप से यह उदयपुर शिविर का मुख्य उद्देश्य नहीं था। जाखड़ ने अपने संबोधन में वसीम बरेलवी का एक शेर पढ़ा, जिसने बहुत ही बारीकी से यह बता दिया की शिविर की चिंतन बैठक में क्या रह गया या क्या होना चाहिए था। यह शेर कुछ यूं है, 'घर सजाने का तसव्वुर तो बहुत बाद का है, पहले ये तय हो कि इस घर को बचाएं कैसे।'

उदयपुर में जो विचार-विमर्श हुआ, अगर पार्टी भारत के वर्तमान वैचारिक स्पेस का नक्शा बनाने और अपने लिए

मीडियम टर्म गोल निर्धारित करने में कामयाब हो जाती, तो वह उसके हित में महत्वपूर्ण कदम होता। उसे कम से कम एक विजन डॉक्युमेंट तो पेश करना ही चाहिए था, जिसमें बताया जाता कि कांग्रेस की विचारधारा क्या है और भारतीयों को इसके साथ क्यों आना चाहिए। इसके बजाय पार्टी ने कुछ छोटे-मोटे सांगठनिक मसलों पर – जैसे परिवार के सदस्यों को नामित करने पर प्रतिबंध, राज्यसभा नामांकन में कार्यकाल की सीमा, पार्टी के संगठनात्मक ढांचे में हाशिए के समूहों के लिए आरक्षण, युवा नेताओं को शामिल करना आदि – फैसले करके शिविर का समापन कर दिया। भले ही ये परिवर्तन अक्षरश: लागू हो जाएं, क्या इनसे पार्टी का कायाकल्प हो सकता है? मुझे नहीं लगता कि इन्हें लागू करने से बहुत बदलाव आएगा। जाखड़ के शब्दों में ही कहें तो कांग्रेस पार्टी चिंतन शिविर में ऐसा व्यवहार कर रही थी जैसे कि देश की सारी जिम्मेदारी उसी पर है। वह भी ऐसे समय में, जब वह खुद वजूद बचाने से जूझ रही है। ऐसा क्यों है? इसका जवाब तलाशने के लिए हमें पार्टी में अपने लिए गढ़े गए मिथकों की गहरी जड़ों तक जाना होगा। इनमें से एक मिथ यह भी है कि पार्टी और गांधी परिवार देश और लोकतंत्र के एकमात्र रक्षक हैं। इन मिथकों को गांधी परिवार के वफादारों की एक करीबी मंडली ने कायम रखा है, जिसमें न केवल कांग्रेस के राजनेता शामिल हैं, बल्कि इसे पत्रकारों, शिक्षाविदों, सिविल सेवकों, व्यापारियों और नागरिक समाज के कार्यकर्ताओं से बना 'दिल्ली दरबार' भी कहा जा सकता है। इस दरबार की मेंबरशिप परमानेंट नहीं है। कई बार पुराने सदस्य अपना विश्वास खो देते हैं और हाशिये पर चले जाते हैं। वे नए लोगों के लिए जगह बनाते हैं। ये मिथक न केवल दरबार के निहित स्वार्थ के संरक्षण की बल्कि पार्टी में उच्च पदासीन लोगों के साथ साथ गांधी परिवार के अस्तित्व की भी चाबी हैं। इस आश्रित रिश्ते ने एक ऐसा सूचना तंत्र बनाया है, जिसे आसानी से हिलाया ही नहीं जा सकता। दरबारी अच्छे से अच्छे बदलावों के लिए तर्क देंगे, लेकिन नए विचारों और नई प्रतिभाओं को प्रेरित करने की किसी भी कोशिश को बड़ी चालाकी से गर्क कर देंगे। यथास्थिति बनाए रखने में ही दरबार का हित निहित है।

राजनीतिक पार्टियां अपने संगठन में टूट और नेतृत्व संकट के चलते अक्सर फेल होकर खत्म हो जाती हैं। लेकिन जब वे अपनी विचारधारा खो देती हैं तो उनके फेल होने की आशंका और प्रबल हो जाती है। ऐसा लगता है कि कांग्रेस यह नहीं देखती कि फिलहाल उसके सामने जो संकट है, उसका बड़ा हिस्सा आंतरिक है। मसलन संगठनात्मक कमजोरियां, विश्वसनीय नेतृत्व की अनुपस्थिति और एक अस्पष्ट वैचारिक दृष्टि- ये आपस में एक दूसरे से जुड़े हुए हैं। कांग्रेस की सबसे महत्वपूर्ण विफलता यह है कि वह बिल्कुल साफ-साफ यह कहने में असमर्थ है कि उसके पास देश के लिए क्या विजन है।

क्या यूं ही भागता रहेगा एक्सपोर्ट सेक्टर

भूपेन्द्र पटेल

हाल में आए भारतीय निर्यात के आंकड़ों ने दिल खुश कर दिया। बीते वित्त वर्ष में सिर्फ सामानों के निर्यात से 420 अरब डॉलर की विदेशी मुद्रा अर्जित करना किसी कमाल जैसा ही था। 2020-21 में तो खैर समूचे इंटरनेशनल ट्रेड का भट्ठा बैठा हुआ था, लेकिन उसके ठीक पहले 2019-20 में निर्यात से भारत की आय 330 अरब डॉलर थी। कोरोना जैसी महामारी के दूसरे साल में यकीनन यह एक लंबी छलांग कही जाएगी। यह और बात है कि जिस साल 2021-22 के निर्यात आंकड़े हमें इतनी खुशी दे रहे हैं, उसी में देश का आयात बिल 612 अरब डॉलर निकला है। यानी इतने अच्छे एक्सपोर्ट डेटा के बावजूद 192 अरब डॉलर का व्यापार घाटा सिर पर चढ़ा हुआ है। यह आंकड़ा इससे ज्यादा सिर्फ साल 2012 में देखने को मिला था, जब इसे 202 अरब डॉलर दर्ज किया गया था।

आगे के संकेत

सेवाओं के व्यापार को अलग से देखें तो बीते साल इनका निर्यात 250 अरब डॉलर और आयात 118 अरब डॉलर का था। सवाल यह है कि इन व्यापारिक आंकड़ों से आगे के लिए क्या संकेत निकलते हैं।

क्या कोरोना के बाद की दुनिया में भारत एक बड़े निर्यातक देश के रूप में अपनी जगह बना रहा है? आंकड़े बता रहे हैं कि ऐसी प्रतिष्ठा अर्जित करने के लिए अभी हमें और मेहनत करनी होगी। दुनिया के बड़े निर्यातकों की सूची में भारत का मुकाम आठवां है। जो सात देश हमसे ऊपर हैं, उनके नाम हैं चीन, अमेरिका, जर्मनी, जापान, ब्रिटेन, फ्रांस और नीदरलैंड्स। भारत की तुलना में अमेरिका का निर्यात तीन गुना है, जबकि चीन हमसे पांच गुना निर्यात करता है। निष्कर्ष यह कि भारत दुनिया के दस बड़े निर्यातकों में है और इसकी गति ऊपर को है, लेकिन चढ़ाई लंबी है। जिन चीजों के निर्यात के बल पर 420 अरब डॉलर का आंकड़ा भारत ने छुआ है, उनमें 101 अरब डॉलर, यानी लगभग एक चौथाई हिस्सा 'इंजीनियरिंग गुड्स' की बिक्री से आया है। खासकर इस्पात, गाड़ियों के कलपुर्जे और इलाज में काम आने वाले उपकरण। इसके पीछे 'मेक इन इंडिया' नीति की भी एक भूमिका रही है। विदेशी कंपनियां अपनी पूंजी और तकनीक लगाकर भारत में सामान बना रही हैं और उसे बाहर बेच रही हैं।

इसे शत-प्रतिशत भारतीय निर्यात कहने में भले ही थोड़ा संकोच हो, लेकिन लोगों को इससे काम-धंधा मिल रहा है, और है तो यह निर्यात ही। आगे चलें तो 55.5 अरब डॉलर की बिक्री के साथ दूसरा बड़ा निर्यात पेट्रोलियम पदार्थों का है। हमारे इंपोर्ट बिल्स में जो सबसे बड़ा हिस्सा कच्चे तेल के आयात का है, वह सारा का सारा भारतीयों के ही काम नहीं आ रहा। प्राइवेट मालिकाने वाली भारत की विशाल रिफाइनरियां आयातित क्रूड ऑयल का इस्तेमाल छोटे एशियाई मुल्कों और कुछ अफ्रीकी देशों को पेट्रोल-डीजल और पेट्रोकेमिकल्स की आपूर्ति करने में कर रही हैं।

निर्यात की तीसरी बड़ी मद 50.21 अरब डॉलर के आंकड़े के साथ कृषि उत्पादों की रही है, जो खुद में

एक रिकॉर्ड है। गेहूं के निर्यात में पिछले साल के मुकाबले 288 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। सच कहें तो समूचे भारतीय निर्यात में सबसे चमत्कारिक बढ़त कृषि उत्पादों में ही देखी गई है। इस साल यह आंकड़ा और कमाल का होता, लेकिन एक तरफ यूक्रेन-रूस युद्ध से विश्व बाजार में गेहूं की कीमत बढ़ी, दूसरी तरफ सरकारी गोदामों में गेहूं कम होने की खबरें भी आने लगीं। नतीजा यह रहा कि गेहूं के निर्यात पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी गई।

चौथा बड़ा निर्यात 'जेम्स एंड जूलरी' का दर्ज किया गया है, जो लंबे समय से भारत के अंतरराष्ट्रीय व्यापार की बुनियाद बना हुआ है। बाहर से मंगाए जाने वाले सोने और कीमती पत्थरों की रुपये की विनिमय दर गिराने में भी बड़ी भूमिका देखी गई है। लेकिन इसका दूसरा पहलू यह है कि गहने बनाने में इनपर काफी बड़ा वैल्यू एडिशन होता है। बीते साल गहनों और रत्नों के निर्यात से देश को 35.3 अरब डॉलर की आमदनी हुई। भारतीय निर्यात की अन्य बड़ी मदों में दवाओं, गाड़ियों, रसायनों, तैयारशुदा कपड़ों और इलेक्ट्रॉनिक्स की गिनती होती है। इन सभी क्षेत्रों में निर्यात की संभावनाएं काफी हैं, लेकिन समस्या यह है कि इनमें हमारा दखल कहीं बीच से शुरू होता है।

मसलन, बाहर से फर्मास्यूटिकल साल्ट मंगाकर हम अपने यहां दवाओं की पैकेजिंग-मार्केटिंग करते हैं। इलेक्ट्रॉनिक्स में हमारा ज्यादातर कारोबार बाहर से पुर्जे मंगाकर उनकी असेंबलिंग का है। इन क्षेत्रों में जैसे ही काम बढ़ता है, तनख्वाहें ऊपर जानी शुरू होती हैं, वैसे ही इन्हें कोई और हड़प लेता है। जैसे, तैयारशुदा कपड़ों के निर्यात में हाल तक भारत का मुकाम बहुत ऊंचा था, लेकिन अभी यह धंधा बांग्लादेश के हाथ में जा चुका है। जड़ से फूल तक सारे काम खुद करने की बातें खूब होती हैं, बस अमल में दिक्कत रह जाती है। पांच-पांच साल के लिए राष्ट्रीय व्यापार नीति बनाने का फैसला इन उलझनों को ध्यान में रखते हुए किया गया था। इसका नया संस्करण 2020 में आना था, जो कोरोना के चलते रह गया। अभी इसे सितंबर 2022 में लाने की तैयारी चल रही है।

सख्त ब्याज दरों का दौर

आगे के हाल पर चर्चा करें तो कुछ बातें तय जान पड़ती हैं। एक तो यह कि डॉलर के मुकाबले रुपये के टूटने का सिलसिला जल्दी नहीं थमने वाला। पहली नजर में यह बात हमारे एक्सपोर्ट के पक्ष में जाती है। लेकिन भारत का ज्यादातर एक्सपोर्ट किसी इंपोर्ट पर आधारित है, लिहाजा एक्सपोर्टर खुश नहीं हैं। दूसरी बात यह कि सख्त ब्याज दरों का दौर शुरू हो चुका है। जो राहतें अभी निर्यातकों को एक्सपोर्ट प्रोमोशन के नाम पर मिल रही थीं, उनपर जल्द ही छुरी चल सकती है। तीसरा मामला विश्व बाजार में खड़ी हो रही दीवारों का है।

रूस-यूक्रेन युद्ध कल खत्म हो जाए तो भी पश्चिमी प्रतिबंधों का झमेला ग्लोबल मार्केट को सहज नहीं होने देगा। सबसे बड़ी चिंता विश्व बाजार के संकुचन की है। कोरोना के तुरंत बाद फूड और फ्यूल इन्फ्लेशन से विश्वव्यापी मंदी का खतरा है। 2009 में जी-20 के फैसलों ने दुनिया को इस खड्ड से निकाल लिया था। वैसे चमत्कार की आज कोई उम्मीद भी नहीं कर पा रहा।

तो अयोध्या में राज ठाकरे की मदद करती शिवसेना!

MNS को आत्मचिंतन की जरूरत, बीजेपी की कठपुतली न बनें: संजय राउत

मुंबई: महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के अध्यक्ष राज ठाकरे का अयोध्या द्वारा फिलहाल स्थगित हो गया है। लेकिन अब इस पर सियासत शुरू हो चुकी है। शिवसेना सांसद संजय राउत ने कहा कि एमएनएस प्रमुख का दौरा भले ही रद्द हो चुका हो लेकिन शिवसेना के आदित्य ठाकरे के नेतृत्व में आगामी 15 जून को अयोध्या का दौरा किया जाएगा। उन्होंने कहा कि अयोध्या के अलावा वह इस्कॉन मंदिर में भी जाएंगे। उन्होंने एमएनएस का नाम न लेते हुए कहा कि एक अन्य पार्टी का भी अयोध्या में कार्यक्रम था। लेकिन अब वह रद्द कर दिया गया है। यह बात मुझे मीडिया के जरिए पता चली है। उन्होंने कहा कि अगर बताते तो हम उनका वहां सहयोग करते। अयोध्या में शिवसेना को मानने वाला एक बड़ा वर्ग है। संजय राउत ने कहा कि बीजेपी ने राज ठाकरे के साथ ऐसा क्यों किया? इस बात पर उन्हें विचार जरूर करना चाहिए। बीजेपी (BJP) द्वारा उनका इस्तेमाल किया जा रहा है। यह बात कुछ लोगों को देर से समझ में आती है। क्या बोले संजय राउत? संजय राउत ने कहा कि प्रभु राम के दर्शन के लिए कोई भी अयोध्या जा सकता है। बस दिल में श्रद्धा होनी चाहिए। यह कोई राजनीति का विषय नहीं है। राज ठाकरे ने अपना दौरा स्थगित किया है। क्योंकि वहां के सांसद बृजमोहन सिंह ने कुछ सवाल खड़े किए थे। शायद उसका जवाब उन्हें नहीं मिल पाया है। लेकिन आदित्य ठाकरे 15 जून को कई शिवसैनिकों के साथ अयोध्या दर्शन के लिए जा रहे हैं। दर्शन हमारे लिए राजनीति का विषय नहीं है। इसके पहले भी उद्धव ठाकरे ने वहां जाकर दर्शन किया था और आगे भी करेंगे। जब से मंदिर का आंदोलन शुरू हुआ था। तब से ही शिवसेना का अयोध्या से विशेष लगाव रहा है।

दौरा स्थिगित क्यों हुआ?

महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के अध्यक्ष राज ठाकरे के बहुप्रतीक्षित अयोध्या दौरा के फिलहाल स्थगित होने के बाद पार्टी कार्यकर्ताओं का जमावड़ा उनके शिवाजी पार्क स्थित घर कृष्ण कुंज पर लगना शुरू हो चुका है। राज ठाकरे आगामी 5 जून को अयोध्या दौरे के लिए जाने वाले थे। हालांकि खराब स्वास्थ्य की वजह से फिलहाल उन्होंने अयोध्या दौरा रद्द कर दिया है। जानकारी के मुताबिक राज ठाकरे के पैर में तकरीबन डेढ़ साल पहले एक वक्त हुआ था। जिसका मुंबई के लीलावती अस्पताल में छोटा ऑपरेशन भी किया गया था। अब उस जगह पर दोबारा दर्द शुरू हुआ है। ऐसे में फिर से ऑपरेशन की जरूरत पड़ सकती है। बताया जा रहा है कि इसी वजह से यह दौरा रद्द किया गया है। अपने अयोध्या दौरे के स्थगित किये जाने की जानकारी सोशल मीडिया के जरिये साझा की है। हालांकि 22 मई को राज ठाकरे ने अपने कार्यकर्ताओं को भी बुलाया है।

भ्रष्टाचार के आरोपी कारोबारी जितेन्द्र नवलानी के खिलाफ EOW को जांच करने से रोका, सोमैया का दावा

मुंबई: महाराष्ट्र बीजेपी नेता किरीट सोमैया ने बुधवार को दावा किया कि मुंबई पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) को भ्रष्टाचार के आरोपी कारोबारी जितेन्द्र नवलानी के खिलाफ जांच न करने को कहा गया है। पूर्व लोकसभा सदस्य सोमैया ने यहां पत्रकारों से कहा कि नवलानी के खिलाफ राज्य की दो एजेंसियों की विशेष टीम गठित की गई है। उन्होंने कहा कि प्रवर्तन निदेशालय के कुछ अधिकारियों के नाम पर धन स्वीकार करने के मामले में नवलानी के खिलाफ दो अलग एफआईआर दर्ज की गई हैं। सोमैया ने बताया कि एक एफआईआर ईओडब्ल्यू की ओर से दायर की गई थी तो दूसरी भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की ओर से।

मेरी जानकारी के अनुसार, ईओडब्ल्यू को जांच आगे न बढ़ाने का निर्देश दिया गया है। हालांकि, सोमैया ने यह स्पष्ट नहीं किया कि किसने कथित तौर पर ईओडब्ल्यू को दक्षिण मुंबई में एक रेस्तरां मालिक नवलानी के खिलाफ आगे की जांच न करने के लिए कहा है। उन्होंने सवाल करते हुए कहा कि एक ही अपराध की जांच के लिए दो एसआईटी (विशेष जांच दल) कैसे गठित की गई? ईओडब्ल्यू ने गुपचुप तरीके से जांच क्यों रोक दी है?

सोमैया ने कहा कि शिवसेना सांसद संजय राउत ने नवलानी मामले को लेकर प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) को पत्र लिखा है। इसका अर्थ है कि यह पार्टी का आधिकारिक रुख है। तय प्रक्रिया के तहत कार्रवाई की जाएगी। महाराष्ट्र एसीबी ने इस महीने की शुरुआत में एक एफआईआर र्ज होने के बाद नवलानी के खिलाफ पिछले सप्ताह लुकआउट सर्कुलर जारी किया था, जिसमें आरोप लगाया गया था कि व्यवसायी ने 2015 और 2021 के बीच निजी कंपनियों से प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के अधिकारियों के नाम का उपयोग करके 58.96 करोड़ रुपये एकत्र किए थे। लुकआउट सर्कुलर एक नोटिस है जो किसी व्यक्ति को देश छोड़ने से रोकता है।

मंत्रालय के गलियारों से फाईलों का ढेर हटाने छुट्टी के दिन भी कार्यालय आने का फरमान

मंत्रालय के गलियारों में जगह-जगह लगी फाईलों का ढेर जल्द ही साफ हो सकता है। इसके लिए सार्वजनिक निर्माण विभाग (पीडब्लूडी) ने विशेष अभियान शुरु किया गया है। अधिकारियों-कर्मचारियों से कहा गया है कि इसके लिए छुट्टी के दिन शनिवार व रविवार को भी मंत्रालय आए पर आगामी 31 मई तक फाईलों के ढेर को हटाया जाना चाहिए। मंत्रालय से राज्य का प्रशासन संचालित होता है। यहां मुख्यमंत्री सहित मंत्रियों के दफ्तर हैं। राज्यभर से लोग अपने काम-काज को लेकर मंत्रालय आते रहते हैं पर मंत्रालय इमारत के गलियारों में दिन प्रतिदिन फाईलों के ढेर लगते जा रहे हैं।

मनसे नेता देशपांडे-धुरी को अग्रिम जमानत

मुंबई। सत्र न्यायालय ने लाउड स्पीकर पर हनुमान चालीसा पढने को लेकर जारी विवाद के बीच पुलिसकर्मी के साथ धक्कमुक्की करने के मामले में आपराधिक मामले का सामने कर रहे महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) नेता संदीप देशपांडे व संतोष धुरी को अग्रिम जमानत प्रदान की है। दोनों आरोपियों को बीते 5 मई को मनसे प्रमुख राज ठाकरे के घर से बाहर निकलते समय पुलिसकर्मियो ने गिरफ्तार करने की कोशिश की थी और ये धक्कामुक्की कर फरार हो गए थे। शिवाजी पार्क पुलिस स्टेशन में इन दोनों के खिलाफ भारतीय दंड संहति की धारा 353, 308, 336, 279 व 34 के तहत मामला दर्ज किया गया था। इस मामले में गिरफ्तारी की आशंका को देखते हुए देशपांडे व धुरी ने कोर्ट में जमानत के लिए आवेदन दायर किया था। तीन दिन पहले न्यायाधीश के सामने दोनों के जमानत आवेदन पर सुनवाई पूरी हुई थी। इस दौरान विशेष सरकारी वकील प्रदीप घरत ने आरोपियों की जमानत का विरोध करते हुए कहा कि पुलिस ने इस मामले में दो अन्य आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

मुंबई में घुटनों तक भर सकता है पानी', आदित्य ठाकरे बोले-बादल फटा या भारी बारिश हुई, तो होगी दिक्कत

मुंबई: मॉनसून के दौरान इस साल भी मुंबईकरों को जलजमाव और बाढ़ जैसे हालात का सामना करना पड़ सकता है। उपनगर के पालक मंत्री आदित्य ठाकरे ने स्वीकार किया है कि मॉनसून में भारी बारिश के दौरान मुंबई की सड़कों पर घुटनों तक पानी भर सकता है। बीएमसी अधिकारियों के साथ मॉनसून पूर्व तैयारियों का जायजा लेने के बाद उन्होंने यह बात कही। आदित्य ने कहा, 'मुंबई में बारिश से पहले के काम के तहत अब तक नालों की 78 प्रतिशत सफाई हो चुकी है और 90 प्रतिशत पानी भरने वाले स्थानों को बेहतर कर दिया गया है। इससे वहां पानी भरने की आशंका कम है।' उन्होंने कहा, 'हिंदमाता इलाके में इस साल जल-जमाव कम होगा, क्योंकि वहां पानी निकासी के लिए व्यवस्था की गई है।'

गड्ढे तुरंत भरने पर जोर

मुंबई में बारिश के दौरान सड़कों में गड्ढे पड़ जाते हैं। आदित्य ठाकरे ने बीएमसी अधिकारियों को गड्ढे तुरंत भरने पर खास जोर देने का निर्देश दिया। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि संबंधित विभागों में समन्वय करने के लिए सभी 24 वॉर्डों के लिए नोडल ऑफिसर नियुक्त किए जाएं। मुंबई में बारिश के दौरान पानी निकालने के लिए 480 से ज्यादा पंप लगाए गए हैं। पंपिंग स्टेशन को भी अधिक प्रभावी बनाया जाएगा।

25 साल की सत्ता के बाद भी सुरक्षा की गारंटी नहीं दे पाई शिवसेना

गुरुवार को मॉनसून के बहाने बीजेपी शिवसेना पर हमलावर रही। भाजपा विधायक आशीष शेलार ने आदित्य ठाकरे पर निशाना साधते हुए कहा कि मुंबई में अब तक सिर्फ 35 प्रतिशत नालों की सफाई हुई है। 25 साल तक बीएमसी की सत्ता में रहने के बाद भी शिवसेना मुंबईकरों की सुरक्षा की गारंटी नहीं दे पाई है। इसके लिए आदित्य ठाकरे को मुंबईकरों से माफी मांगनी चाहिए। शेलार के नेतृत्व में भाजपा के पूर्व नगर सेवकों ने दूसरे चरण में नालों का दौरा किया और सफाई का जायजा लिया। उसके बाद भाजपा प्रतिनिधिमंडल ने बीएमसी कमिश्नर आईएस चहल से मुलाकात कर नालों के फोटो के

साथ ज्ञापन सौंपा। वहीं, कैबिनेट मंत्री आदित्य ठाकरे ने बीएमसी अधिकारियों के साथ मॉनसून पूर्व कार्यों की समीक्षा की।

'नालों की स्थिति भयावह'

शेलार ने आरोप लगाया कि बीएमसी प्रशासन जानबूझ कर स्थिति को स्वीकार नहीं कर रहा है। बीएमसी कहती है कि नाला सफाई समय पर पूरा होने की उम्मीद है, जबकि जमीनी हकीकत कुछ और है। उन्होंने कहा कि भाजपा नेताओं ने 7 अप्रैल से जब नालों का दौरा शुरू किया था, उस दौरान शिवसेना हमारी आलोचना कर रही थी। लेकिन, अब शिवसेना नेता जिम्मेदारी लेने से भाग रहे हैं। हमने बुधवार से दूसरे चरण में नालों की सफाई का जायजा शुरू किया, उसके बाद आदित्य ठाकरे ने रात में जाकर नालों की सफाई का काम देखा। अंधेरे में शिवसेना द्वारा मुंबईकरों के साथ पाप किया जा रहा है। भाजपा ने गुरुवार को कमिश्नर से मुलाकात की, उसके ठीक बाद उनसे मिलने आदित्य ठाकरे भी पहुंच गए। आदित्य ने कहा कि इस बारिश में मुंबईकर सुरक्षित रहेंगे, इसकी गारंटी नहीं दे सकते। आदित्य ठाकरे के इस बयान पर शेलार ने कहा कि 25 साल तक सत्ता का सुख भोगने के बाद यदि शिवसेना मुंबईकरों को सुरक्षा की गारंटी नहीं दे सकती, तो आदित्य ठाकरे को लोगों से माफी मांगनी चाहिए।

शेलार ने आरोप लगाया कि मुंबईकरों को मझधार में छोड़कर बार-बार सत्ताधारी फरार हो रहे हैं। मुंबई में नालों की सफाई की स्थिति भयावह है। सिर्फ 35 प्रतिशत नाले साफ हुए हैं।

मॉनसून आने में अब कुछ ही दिन बचे हैं, आशंका है कि इस बार भी मुंबईकरों के घरों में पानी घुसेगा, जिसके लिए शिवसेना और बीएमसी प्रशासन जिम्मेदार होगा। मुंबईकर सुरक्षित नहीं हैं और उनकी प्रॉपर्टी सुरक्षित नहीं है इसके लिए सिर्फ शिवसेना जिम्मेदार है। मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने एक महीने पहले बैठक की थी, उसके बाद क्या हुआ?

पोर्न रैकेट मामले में राज कुंद्रा के खिलाफ ईडी ने दर्ज किया मामला

मुंबई। पोर्न रैकेट मामले में कारोबारी राज कुंद्रा की मुश्किलें और बढ़ गई हैं। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कुंद्रा के खिलाफ मनी लांडरिंग के आरोप में पीएमएलए कानून के तहत इंफोर्समेंट केस इंफार्मेशन रिपोर्ट (ईसीआईआर) दर्ज किया है। मुंबई पुलिस द्वारा दर्ज एफआईआर के आधार पर ईडी ने मामला दर्ज किया है। ईडी मामले में कुंद्रा और दूसरे आरोपियों द्वारा विदेश में किए गए वित्तीय लेन देन की जांच कर रही है। अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी के पति राज कुंद्रा पर अश्लील फिल्म बनाकर उसे ऐप के जरिए विदेश से अपलोड कर करोड़ों की कमाई करने का आरोप है। ईडी ने पिछले सप्ताह ईसीआईआर दर्ज किया है। मामले में जल्द ही आरोपियों को पूछताछ के लिए समन भेजा जा सकता है।

सी लिंक के पास दर्दनाक हादसा, ट्रक ने मारी ऑटो में टक्कर, ड्राइवर का कटा सर दूर जा गिरा

मुंबई में मंगलवार रात को बांद्रा रिक्लेमेशन के पास यू-ब्रिज पर दर्दनाक हादसा हो गया. सी लिंक की ओर एक तेज मोड़ लेते हुए एक तोज रफ्तार ट्रक ने एक ऑटोरिक्शा चालक को टक्कर मार दी, टक्कर इतनी भीषण थी कि पप्पू कुमार साव (ऑटो चालक) का कटा हुआ सिर उसके शरीर से चार फीट दूर जा गिरा.

सीसीटीवी कैमरे में ट्रक की नंबर प्लेट कैद

घटनास्थल पर लगे सीसीटीवी कैमरे में ट्रक की नंबर प्लेट कैद हो गई है. बांद्रा पुलिस ने अगले दिन खोजबीन के बाद ट्रक चालक एम साहू (35) को गिरफ्तार कर लिया. पुलिस ने कहा कि घटना रात करीब 10.55 बजे की है. जब घटना हुई उस समय साहू नशे में नहीं था. ऑटोरिक्शा चालक का सिर धड़े से कट गया

बांद्रा पुलिस के वरिष्ठ इंस्पेक्टर राजेश देवेरे ने कहा, "प्रत्यक्षदर्शियों ने कहा कि ट्रक ने यू ब्रिज पर तेज गति से एक तेज मोड़ लिया और ऑटोरिक्शा को दाईं ओर से टक्कर मार दी. टक्कर के बाद ऑटोरिक्शा चालक अपने ऑटो से बाहर निकल गया और ट्रक से कुचल गया. उसका सिर धड़े से कट गया."

ऑटो में एक महिला बैठी थी

जबकि हादसे के वक्त ऑटो में एक महिला बैठी हुई थी. महिला को चोटें आई हैं. मौके पर पहुंचे एएसआई दीपक भोसले ने कहा, "प्रत्यक्षदर्शियों ने कहा कि दुर्घटना के बाद, महिला ने दूसरा वाहन लिया और वहां से चली गई." भोसले ने आगे कहा कि ऑटोरिक्शा फुटपाथ पर चढ़ गया था और बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया था. भोसले ने एफआईआर में कहा, "साव का कटा हुआ सिर उसके शरीर से चार फीट दूर पड़ा था. उसकी पहचान उसके आईडी कार्ड से हुई है."

गोरखपुर से मुबंई के लिए चलेगी समर स्पेशल ट्रेन:22 से 30 मई के बीच चलेगी गोरखपुर-LTT समर स्पेशल, टिकटों की बुकिंग हुई शुरु

गोरखपुर से मुबंई सफर करने वालों के लिए अच्छी खबर है। गर्मी के सीजन में यात्रियों की बढ़ती भीड़ को देखते हुए रेलवे गोरखपुर से लोकमान्य तिलक टर्मिनस के बीच समर स्पेशल ट्रेन चलाएगा। NE रेलवे के CPRO पंकज कुमार सिंह ने बताया कि ट्रेन नंबर 01059/01060 लोकमान्य तिलक टर्मिनस- गोरखपुर समर स्पेशल LTT से 22 और 29 मई दिन रविवार को चलाई जाएगी।

जबकि गोरखपुर से 23 और 30 मई दिन सोमवार को दो फेरों में चलाई जाएगी। इस ट्रेन में टिकटों की बुकिंग शुरू हो गई है। ट्रेन में यात्रा करने वाले यात्रियों को कोविड-19 के नियमों का पालन करना होगा।

LTT से रात 12.15 बजे होगी टाइमिंग ट्रेन नंबर 01059 LTT-गोरखपुर समर स्पेशल 22 और 29 मई रविवार को LTT से रात 12.15 बजे छूटकर थाणे से 00.35 बजे, कल्यान से 01.00 बजे, नासिक रोड से 03.35 बजे, भुसावल से 07.05 बजे, खण्डवा से 09.20 बजे, इटारसी से 13.25 बजे, रानी कमलापति से 15.40 बजे, बीना से 18.20 बजे, ललितपुर से 19.02 बजे, वीरांगना लक्ष्मीबाई जं. से 21.05 बजे, उरई से 22.22 बजे, पोखरायां से 23.02 बजे, दूसरे दिन कानपुर सेन्ट्रल से 01.30 बजे, लखनऊ से 03.40 बजे, बाराबंकी से 04.18 बजे, अयोध्या कैंट से 06.35 बजे, मनकापुर से 07.42 बजे, बभनान से 08.08 बजे, बस्ती से 08.37 बजे और खलीलाबाद से 09.04 बजे छूटकर गोरखपुर सुबह 10.10 बजे पहुंचेगी। गोरखपुर से अपराह्न एक बजे होगी टाइमिंग जबकि ट्रेन नंबर 01060 गोरखपुर-L T T समर स्पेशल 23 और 30 मई सोमवार को गोरखपुर से अपराह्न एक बजे छूटकर खलीलाबाद से 13.45 बजे, बस्ती से 14.13 बजे, बभनान से 14.42 बजे, मनकापुर से 15.27 बजे, अयोध्या से 16.35 बजे, अयोध्या कैंट से 17.00 बजे, बाराबकी से 19.25 बजे, लखनऊ से 20.40 बजे, कानपुर सेन्ट्रल से 22.20 बजे, पोखरायां से 23.37 बजे, दूसरे दिन उरई से 00.27 बजे, वीरांगना लक्ष्मीबाई जं. से 02.20 बजे, ललितपुर से 03.27 बजे, बीना से 04.40 बजे, रानी कमलापति से 07.25 बजे, इटारसी से 09.15 बजे, खण्डवा से 12.33 बजे, भुसावल से 14.05 बजे, नासिक रोड से 17.45 बजे, कल्यान से 21.20 बजे और थाणे से 21.43 बजे छूटकर रात 10.15 बजे LTT पहुंचेगी। इस ट्रेन में स्लीपर क्लास के 9, जनरेटर सह लगेज यान का 01, LSLRD का 01, AC थ्री टियर के 6 और जनरल क्लास के 3 कोचों सहित कुल 20 LHB कोच लगाए जाएंगे।

आंगनवाड़ी कर्मियों के प्रश्नों को लेकर गंभीर नहीं सरकार

गड़चिरोली। आंगनवाड़ी सेविका व मदतनीस की कुछ समस्याएं हल हुई है, लेकिन अब भी सेवानिवृत्ति के बाद मिलने वाला लाभ लागू नहीं किया गया है। इसके साथ ही अनेक सेवाविषयक व सरकारी स्तर के प्रश्न कायम हैं। इन प्रश्नों पर सरकार गंभीर नहीं दिखाई दे रही है। यह आरोप आंनगवाड़ी कर्मचारी संगठन के राज्याध्यक्ष प्रा. रमेशचंद्र दहीवडे ने लगाया है। वे चामोर्शी तहसील के कुनघाडा रै. में संगठन के सम्मेलन के समापन अवसर पर मार्गदर्शन के रूप में बोल रहे थे।

भीषण गर्मी के बीच तापमान के मामले में मुंबई ने बनाया नया रिकॉर्ड, मौसम विज्ञानी चिंतित

ऐसे में जब पूरा भारत गर्मी की तपिश से झुलस रहा है, देश की आर्थिक राजधानी मुंबई ने तापमान वृद्धि के मामले में एक नया रिकॉर्ड बनाया है. मार्च महीने में मुंबई का तापमान दो बार 40 डिग्री सेल्सियस के पार गया. बीएमसी द्वारा बनाए गए 60 स्वचालित मौसम स्टेशनों (एडब्ल्यूएस) के आंकड़ों के अनुसार 16 मार्च को भांडुप में पारा 40,8 डिग्री जबकि 17 मार्च को यह फिर से भांडुप के एस वार्ड में 40.4 डिग्री पर पहुंचा. इसी समय आईएमडी की तरफ से मुंबई के लिए भीषण लू की चेतावनी जारी की गई थी. हालांकि, मौसम विभाग के अधिकारियों ने कहा कि एडब्ल्यूएस को डेटा को केवल 1 किमी के दायरे के तापमान के तौर पर माना जा सकता है.बढ़ते तापमान पर मौसम वैज्ञानिकों ने जताई चिंता विशेषज्ञों ने बढ़ते तापमान पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि एक तटीय शहर होने के कारण मुंबई का तापमान 40 से कम ही रहता है, क्योंकि अरब सागर से आने वाली हवाएं थर्मोस्टेट का काम करती हैं, जिससे अधिकतम तापमान लगभग 36-38 डिग्री तक ही सीमित रहता है. मौसम के जानकार और शौकिया मौसम भविष्यवक्ता अभिजीत मोदक, जो कोंकण वेदर नाम से एक ब्लॉग भी चलाते हैं, ने कहा कि मार्च

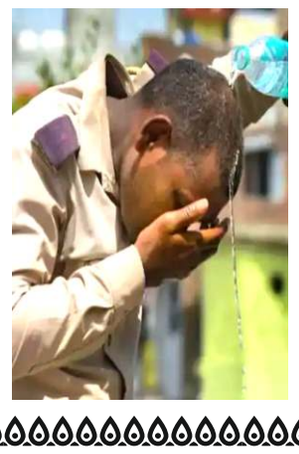

ऐसा महीना है जब उत्तर/उत्तर पूर्व की शुष्क भूमि से तेज हवा चलती है, जिसकी वजह से तापमान 40 डिग्री तक जा सकता है क्योंकि एंटी साइक्लोन से दक्षिणावर्त हवाएं समुद्री हवा को दबा सकती हैं जिससे तापमान में वृद्धि हो सकती है. हालांकि अप्रैल और मई के महीने में मुंबई में ना तो हीटवेव की चेतावनी जारी हुई और न ही तापमान में तेज बढ़ोत्तरी देखी गई.

बढ़ते तापमान के लिए ये कारण जिम्मेदार हीटवेव और उनके प्रभाव को समझने के लिए हाल ही में हुए एक अध्ययन को लेकर भारतीय उष्णकटिबंधीय मौसम विज्ञान संस्थान (आईआईटीएम), पुणे के एक जलवायु वैज्ञानिक रॉक्सी मैथ्यू कोल ने कहा कि इस तहर के मौसम के लिए जलवायु परिवर्तन जिम्मेदार है. उन्होंने कहा की शहर में बड़े पैमाने पर हो रहे बुनियादी ढांचे का विकास इस तरह के मौसम के लिए जिम्मेदार है. हमें ऐसे समाधानों को खोजना होगा तो भविष्य में गर्मी को सीमित रखें.

कब जारी होती है हीटवेव की चेतावनी

वहीं राष्ट्रीय मौसम पूर्वानुमान केंद्र (आईएमडी) के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. आर के जेनामणि ने कहा कि हीटवेव में वृद्धि साफ नजर आ रही है.

स्कूल से ही अपने बच्चे को खेलों में शामिल करें

खेलों को स्वस्थ और फिट रहने के तरीके के रूप में देखा गया है। लेकिन खेलों का महत्व इससे कहीं आगे जाता है। खेलकूद से छात्रों का सर्वांगीण विकास होता है। खेल खेलना जीवन के पाठ सिखाता है, जैसे टीम वर्क, जवाबदेही, आत्मविश्वास, जिम्मेदारी और आत्म-अनुशासन।

स्कूल में खेल छात्रों को जीवन की चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार करने में मदद करते हैं। वे छात्रों की शारीरिक और मानसिक क्षमताओं को बढ़ाते हैं और उन्हें अपने जीवन के लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद करते हैं। दुनिया भर में आयोजित विभिन्न राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों से खेल के महत्व को महसूस किया जा सकता है, जहां खिलाड़ी अपने देश का प्रतिनिधित्व करते हैं।

छात्रों का प्रशिक्षण स्कूल स्तर से ही शुरू हो जाता है। खेल आपसी विश्वास और सहयोग के मूल्यों को विकसित करने में मदद करते हैं। वे तत्काल निर्णय लेने में छात्रों की क्षमताओं को विकसित करने में मदद करते हैं, और वे विचार प्रक्रियाओं को बढ़ाते हैं। खेल के मैदान में विकसित होने वाली खेल भावना या खेल भावना की भावना छात्रों को असफलता को स्वीकार करना और दूसरों का सम्मान करना सिखाती है। भावना एक शांत और सकारात्मक दृष्टिकोण को विकसित करने में भी मदद करती है, और यह हड्डियों और मांसपेशियों को मजबूत करके सहनशक्ति को बढ़ाती है।

स्वास्थ्य के लिए महत्व

खेलकूद में शामिल होकर, आप सर्वोत्तम व्यायाम प्राप्त कर सकते हैं, जो आपकी संपूर्ण फिटनेस को बनाए रखने में मदद करते हैं। नियमित खेल गतिविधियाँ पुरानी बीमारियों को रोक सकती हैं और स्वस्थ हृदय, मजबूत हड्डियों और फेफड़ों के कार्य को बेहतर बनाने में मदद कर सकती हैं। खेल मधुमेह को नियंत्रित करने, वजन को प्रबंधित करने, रक्त परिसंचरण को बढ़ाने और तनाव के स्तर को प्रबंधित करने में मदद करते हैं।

खेलों के माध्यम से शारीरिक और मानसिक विकास का अच्छा संतुलन होता है, जो मांसपेशियों को टोन करने में मदद करता है और हड्डियों को मजबूत बनाता है।

सामाजिक और व्यक्तित्व विकास

खेल न केवल शारीरिक स्वास्थ्य में योगदान करते हैं बल्कि सामाजिक और व्यक्तित्व विकास को भी बढ़ाते हैं।

वे नेतृत्व कौशल को बढ़ाने और लक्ष्य निर्धारण और चरित्र निर्माण की क्षमता में सुधार करने में मदद करते हैं। एक छात्र, जो खेलों में सक्रिय है, स्वाभाविक रूप से अधिक आत्म-सम्मान, बेहतर सामाजिक संपर्क और जीवन के प्रति अधिक सकारात्मक दृष्टिकोण का होगा।

राष्ट्र निर्माण में खेलों का मुख्य योगदान एकता और राष्ट्रीय गौरव की भावना को बढ़ावा देना है। छात्र परस्पर प्रेमपूर्ण और शांतिपूर्ण नागरिक बनना सीखते हैं। टीम-निर्माण और सहयोग स्कूल में खेल गतिविधियों द्वारा निर्मित मूल्य हैं। खेल युवाओं में चरित्र विकास और आत्मविश्वास के स्तर को बढ़ाने में मदद करते हैं।

खेल किसी देश के नागरिकों के अच्छे स्वास्थ्य स्तर के निर्माण में भी मदद करते हैं। अच्छा स्वास्थ्य जीवन स्तर के उच्च स्तर में योगदान देता है।

खेल-कूद से संबंधित उद्योगों के विकास को बढ़ावा मिलता है, जिससे रोजगार के अवसर मिलते हैं और अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलता है।

सोने से पहले इन चीजों का सेवन है नुकसानदायक, ज्यादातर इन बातों से रहते हैं अनजान

रात में सोने से पहले कुछ खाने की क्रेविंग होना बहुत सामान्य है। अक्सर इसके लिए लोग हल्के स्नैक्स, मिठाइयों, आइसक्रीम या कॉफी-चाय का सेवन करते हैं। पर स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि सोने से ठीक पहले खाने की चीजों के चयन को लेकर विशेष सावधानी बरतनी चाहिए। जाने-अनजाने हम में से ज्यादातर लोग क्रेविंग को शांत करने के लिए कई ऐसी चीजों के खाने-पीने की आदत बना लेते हैं जिनसे न सिर्फ रात की नींद प्रभावित हो सकती है, साथ ही दीर्घकालिक रूप से ये चीजें आपमें मोटापा, डायबिटीज, हृदय रोग जैसी समस्याओं तक का जोखिम बढ़ा सकते हैं। इसलिए अब से जब भी आप सोने से पहले कुछ भी खाएं तो उससे होने वाले प्रभावों के बारे में जरूर जान लें। विशेषज्ञों का कहना है कि हम सभी को रात का भोजन हल्का रखना चाहिए जिससे नींद अच्छी आए। वहीं यदि आपकी सोने से पहले कुछ खाने-पीने की आदत है तो इसके प्रभाव-दुष्प्रभावों के बारे में भी जान लेना बहुत आवश्यक हो जाता है। आइए जानते हैं कि सोने से पहले किन चीजों के सेवन को सेहत के लिहाज से नुकसानदायक माना जाता है?

क्या सोने से पहले आइसक्रीम खा सकते हैं?

ज्यादातर लोगों की सोने से पहले आइसक्रीम खाने की आदत होती है।आइसक्रीम मुंह के स्वाद को बेहतर करने के साथ ताजगी और तरावट का एहसास दिलाते हैं। पर सेहत के लिहाज से विशेषज्ञ इस आदत को अस्वास्थ्यकर मानते हैं। आइसक्रीम में शुगर की मात्रा अधिक होती है, ऐसे में सोने से पहले इसका सेवन ब्लड शुगर के लेवल को बढ़ा सकता है। सोने से पहले आइसक्रीम खाने की आदत को नींद संबंधी विकारों को बढ़ावा देने वाला भी माना जाता है।

रात में कॉफी-चाय न पिएं

रात में अच्छी नींद पाने के लिए कॉफी-चाय न पीने की सलाह दी जाती है। इनमें कैफीन नामक तत्व की अधिकता होती है, जो मस्तिष्क को उत्तेजित कर देता है। ऐसे में यह नींद विकारों का कारण बन सकती है। कैफीन वाली चीजों को नींद भगाने वाला माना जाता है, ऐसे में इनके नियमित रात में सेवन की आदत, आपमें अनिद्रा जैसी समस्याओं के जोखिम को काफी बढ़ा सकती है।

टाइरामाइन वाली चीजों से बचें

विशेषज्ञों का कहना है कि रात में अच्छी नींद और बेहतर स्वास्थ्य दोनों का ध्यान रखते हुए हमें सोने से पहले उन चीजों के सेवन से बचना चाहिए जिनमें टाइरामाइन अधिक होता है।

टाइरामाइन, एक अमीनो एसिड है जो मस्तिष्क के लिए प्राकृतिक उत्तेजक के रूप में काम करता है। सोने से पहले इसके सेवन की आदत आपकी नींद की गुणवत्ता को प्रभावित कर सकती है। सोया सॉस, रेड वाइन आदि में इसकी अधिकता होती है।

इन चीजों का कर सकते हैं सेवन

यदि आपको रात में सोने से पहले

कुछ खाने की तीव्र इच्छा होती है तो इसके लिए स्वस्थ और पौष्टिक चीजों का चयन करना बहुत आवश्यक है। ऐसी चीजों के सेवन पर ध्यान दें जो नींद की गुणवत्ता को सुधारने के साथ शरीर को स्वस्थ रखने में मदद करती हों। इसके लिए दलिया, साबुत अनाज, दूध, कच्चे पनीर, अखरोट आदि का सेवन किया जा सकता है।

यदि आपको रात में सोने से पहले कुछ खाने की तीव्र इच्छा होती है तो इसके लिए स्वस्थ और पौष्टिक चीजों का चयन करना बहुत आवश्यक है।

ऐसी चीजों के सेवन पर ध्यान दें जो नींद की गुणवत्ता को सुधारने के साथ शरीर को स्वस्थ रखने में मदद करती हों। इसके लिए दलिया, साबुत अनाज, दूध, कच्चे पनीर, अखरोट आदि का सेवन किया जा सकता है।

क्या एसी में ज्यादा देर तक रहना है नुकसानदायक? जानिए इससे किन समस्याओं का होता है जोखिम

चिलचिलाती गर्मी और बढ़ते तापमान ने सभी को परेशान किया हुआ है। गर्मी से बचे रहने के लिए एयर कंडीशनिंग (एसी) को सबसे सुविधाजनक विकल्प के तौर पर जाना जाता है। ऑफिस से लेकर बेडरूम तक, इस गर्मी में थोड़ी देर के लिए भी एसी से बाहर निकलने की इच्छा नहीं होती है। पर क्या आप जानते हैं कि लंबे समय तक एसी में रहने से कई तरह के साइड इफेक्ट्स का खतरा हो सकता है। मसलन एसी, गर्मियों में जितना आरामदायक है, वहीं इसके कारण शरीर पर कई प्रकार के हानिकारक दुष्प्रभाव भी हो सकते हैं।

स्वास्थ्य विशेषज्ञ बताते है एसी वातावरण की आद्रता को प्रभावित कर देता है। जिसके कारण कुछ लोगों को एलर्जी, छींक आने और कई तरह की अन्य समस्याएं हो सकती हैं। वहीं एसी में ज्यादा समय बिताने वाले लोगों में इसके कई तरह के दीर्घकालिक दुष्प्रभाव भी देखने को मिल सकते हैं। यह आंखों, त्वचा और श्वसन संबंधित कई तरह की समस्याओं को बढ़ा सकती है।

आइए आगे एसी होने वाले संभावित खतरों के बारे में जानते हैं, जिनसे बचाव की आवश्यकता होती है।

आंखों की समस्या

एसी में ज्यादा समय बिताने वाले लोगों को आंखों से संबंधित समस्या, विशेषकर ड्राई आइज की दिक्कत होने का खतरा सबसे अधिक होता है। इस स्थिति में आंखों में चुभन, जलन, लालिमा और दर्द की समस्या हो सकती है। यदि आपको पहले से ही ड्राई आइज की समस्या है तो एसी में ज्यादा देर तक बैठने से बचना चाहिए, इससे समस्या बढ़ सकती है। आंखों में इन समस्याओं की स्थिति में शीघ्र उपचार की जरूरत होती है।

त्वचा की दिक्कतें

ज्यादा देर तक एसी में रहने के कारण कुछ लोगों को ड्राई स्किन या त्वचा में खुजली की समस्या बढ़ सकती है। एसी में रहने के बाद धूप के संपर्क

में आने से त्वचा में रूखेपन और खुजली की समस्या काफी बढ़ जाती है।

शुष्क त्वचा के कई सारे दीर्घकालिक दुष्प्रभाव भी हो सकते हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञों के मुताबिक जिन लोगों को त्वचा में एलर्जी या सूखेपन की समस्या रहती है, उन्हें भी एसी में ज्यादा समय बिताने से बचना चाहिए।

बढ़ सकता है डिहाइड्रेशन

एसी में रहने वाले लोगों में निर्जलीकरण की दर अधिक होती है। एसी, कमरे की नमी सोख लेता है, जिससे आप निर्जलित महसूस कर सकते हैं। एसी में रहने के कारण आपको पानी पीने की भी कम जरूरत महसूस होती है जिसे डिहाइड्रेशन का कारक माना जा सकता है। डिहाइड्रेशन की स्थिति में शरीर में कई तरह की दिक्कतों का जोखिम बढ़ जाता है।

एसी के दुष्प्रभावों से बचाव

एसी के दुष्प्रभावों से बचे रहने के लिए इस तरह के वातावरण में कम से कम समय तक रहने की कोशिश करें। अपने चेहरे, गर्दन, हाथों, कोहनी, घुटनों में ड्राईनेस की समस्या को कम करने के लिए लोशन का उपयोग करें। डिहाइड्रेशन से बचाव करने के लिए थोड़ी-थोड़ी देर पर पानी पीते रहें। यदि आपको एसी के कारण आंखों में किसी तरह की दिक्कत महसूस होती है तो एसी में रहने से बचें और तुरंत किसी विशेषज्ञ से उचित इलाज प्राप्त करें।

सोते नवजातों में बढ़े अचानक मौत के मामले, वैज्ञानिकों ने पता लगा लिया इसका प्रमुख कारण

सडेन इंफैंट डेथ सिंड्रोम (एसआईडीएस) वैश्विक स्तर पर नवजात बच्चों में मौत की एक गंभीर समस्या है। ब्रिटेन में हर साल लगभग 200 बच्चे अचानक और अप्रत्याशित रूप मौत के शिकार हो जाते हैं। भारत में भी एसआईडीएस एक बड़ी समस्या का कारण बनी हुई है। साल 2019 में देश में जन्मे 1000 में से 32 नवजात की मृत्यु सडेन इंफैंट डेथ सिंड्रोम के रूप में रिपोर्ट की गई। एसआईडीएस की स्थिति जन्म पहले 6 महीनों के दौरान अधिक देखने को मिलती है। इसमें सामान्यतौर परसो रहे नवजात अचानक और अप्रत्याशित रूप से मृत्य का शिकार हो जाते हैं।

सडेन इंफैंट डेथ सिंड्रोम के कारण और इसके बचाव को लेकर वर्षों से शोध और अध्ययन किए जा रहे हैं। कुछ विशेषज्ञों का कहना है कि समय से पहले या जन्म के समय कम

वजन वाले शिशुओं में इसका खतरा अधिक होता है। नवजात लड़कों में इसका खतरा अधिक देखा गया है

एसआईडीएस आमतौर पर तब होता है जब बच्चा सो रहा होता है, हालांकि यह कभी-कभी जागते समय भी हो सकता है। इस बीच हालिया अध्ययन में शोधकर्ताओं ने सडेन इंफैंट डेथ सिंड्रोम के कारण का पता लगाने का दावा किया है। आइए इस बारे में आगे विस्तार से जानते हैं। सडेन इंफैंट डेथ सिंड्रोम के बारे में जानिए

विशेषज्ञों का मानना है कि एसआईडीएस, बच्चे के विकास के चरणों में अधिक रिपोर्ट किया जाता है। शोधकर्ताओं ने पाया कि गर्भावस्था के दौरान धूम्रपान करने या बच्चे के धूम्रपान के संपर्क में आने से इस समस्या का जोखिम काफी बढ़ जाता है। इस बीच हालिया शोध में ऑस्ट्रेलियाई शोधकर्ताओं ने एक बायोमार्कर की पहचान की है जिसके आधार पर नवजात में एसआईडीएस के जोखिम का पता लगाया जा सकता है। पश्चिमी देशों में होने वाले सभी प्रसवोत्तर मौतों में लगभग 50 फीसदी को एसआईडीएस से संबंधित माना जाता है। आइए जानते हैं कि शोधकर्ताओं ने इसके लिए किन कारणों को जिम्मेदार पाया है? बच्चों में खास ब्लड कैमिकल की कमी द लैंसेट्स ईबायोमेडिसिन में प्रकाशित अध्ययन में वैज्ञानिकों की टीम ने सडेन इंफैंट डेथ सिंड्रोम के लिए बच्चों में एक खास ब्लड कैमिकल की कमी को जिम्मेदार पाया है। चिल्ड्रन हॉस्पिटल एट वेस्टमीड (सीएचडब्ल्यू) में शोधकर्ताओं की टीम ने ब्यूटिरिलकोलिनेस्टरेज़ (बीसीएचई) नामक एक बायोकैमिकल मार्कर की पहचान की है जो शिशुओं में मृत्यु को रोकने में मदद कर सकता है। इस शोध के लिए वैज्ञानिकों ने 722 नवजातों के ब्लड सैंपल की जांच की।

साप्ताहिक राशि भविष्यफल

मेष : इस सप्ताह में जहां पुराने कार्यों को गति मिलेगी, वहीं कुछ मामले अटक भी सकते हैं। खासकर कमाई के साधन बाधित हो सकते हैं। इसलिए भविष्य के लिए बेहतर प्लानिंग करके रखना होगी। पारिवारिक जीवन में कुछ सुधार होते दिख रहे हैं, लेकिन अभी परिवार के साथ तालमेल बनाने के प्रयास आपको ही करने होंगे।

वृषभ : संकट अभी टला नहीं है, लेकिन इस सप्ताह कुछ राहत रहेगी। मानसिक तनाव बना रहेगा, लेकिन आपको सकारात्मक रहना है। धन की परेशानी कुछ हद तक नियंत्रण में रहेगी। कार्यों में बदलाव होने से लाभदायक स्थिति बनेगी लेकिन अभी भी खुद को स्थापित करने के प्रयास करते रहना होंगे। बिजनेस में कुछ सुधार की संभावना है।

मिथुन : धन का आगमन सुचारू रूप से होता रहेगा। बिजनेस में उतार-चढ़ाव के बावजूद लाभ की स्थिति रहेगी। नए कार्य करने के लिए सही समय है, लेकिन प्लान ऐसा हो जो वर्तमान दौर के अनुसार काम करे। पारिवारिक जीवन में संगे-संबंधियों से मेलजोल बढ़ेगा। उनके सहयोग से कार्यों को गति देने का प्रयास सफल होगा।

कर्क : मानसिक और आर्थिक रूप से इस सप्ताह राहत में रहेंगे। कोई बड़ा काम सफलतापूर्वक संपन्न हो जाने से संतोषजनक स्थिति में रहेंगे। किसी निकट संबंधी के कारण कुछ मानसिक तनाव हो सकता है। भूमि, भवन खरीदने के योग हैं। नया वाहन घर-परिवार में आ सकता है।

सिंह : इस सप्ताह आपके मान-सम्मान में वृद्धि होगी। किसी महत्वपूर्ण काम के पूरा हो जाने से मन में संतोष रहेगा। आर्थिक स्थिति इस सप्ताह बेहतर रहेगी। पुराने निवेश से लाभ मिलने की उम्मीद है। कॉरपोरेट सेक्टर में काम कर रहे लोगों को कुछ मानसिक तनाव हो सकता है, लेकिन परेशान होने की आवश्यकता नहीं।

कन्या : धन का आगमन इस सप्ताह शानदार रहने वाला है। आपके काम का पूरा दाम मिलेगा। नौकरी में तरक्की के साथ बिजनेस से जुड़े लोगों को भी लाभ प्राप्त होगा। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। मानसिक तनाव से मुक्ति मिलेगी। लेकिन इस सप्ताह बस एक बात का ध्यान रखना है कि किसी को पैसा उधार ना दें, वरना वह लौटकर नहीं आने वाला है।

तुला : भौतिक सुख-सुविधाओं में बढ़ोतरी होगी। घर-परिवार में नया वाहन आने के योग हैं। लंबे समय से अटके किसी विशेष कार्य के पूरा हो जाने से मन को सुकून मिलेगा। धन का आगमन होगा, लेकिन खर्च पर नियंत्रण रखना जरूरी होगा, वरना आय से ज्यादा खर्च हो जाएगा। प्रेमी-प्रेमिका इस सप्ताह लंबे समय बाद साथ में वक्त बिता पाएंगे।

वृश्चिक: इस सप्ताह सबसे बड़ी बात यह कि आपको विकट परिस्थितियों में भी धैर्य और हिम्मत से काम लेना है। अपनी बात मनवाने के लिए किसी पर दबाव ना डालें, खासकर रिश्तों में सजगता से काम लें। जीवनसाथी के स्वास्थ्य को लेकर सतर्क रहें, कोई बड़ी दिक्कत आ सकती है। इस सप्ताह रोगों पर खर्च अधिक होने की संभावना है।

धनु : प्रगति के अवसर मिलने वाले हैं, लेकिन आपको मौका पहचानना आना चाहिए। युवाओं के अच्छे जॉब के अवसर मिलेंगे। स्टार्टअप के लिए समय अच्छा है। सेवा क्षेत्र का स्टार्टअप लाभ देगा। पुराने बिजनेस को नए सिरे से खड़ा करने में कामयाब होंगे। पारिवारिक जीवन शानदार रहने वाला है। मनमुटाव, द्वेष दूर होंगे।

मकर : इस सप्ताह भूमि, संपत्ति के काम बेहतर होंगे। पैतृक संपत्ति प्राप्त होने के योग हैं। वाहन, मशीनरी के कार्यों से जुड़े लोगों को लाभ मिलेगा। नए बिजनेस में उतरना चाहते हैं तो परिवार के अनुभवी लोगों की सलाह जरूर लें। जीवनसाथी के साथ चल रहा मनमुटाव दूर होगा और आपसी प्रेम में वृद्धि होगी।

कुंभ : सप्ताह शुभ है और आपके सभी सोचे कार्य पूरे होने के योग बन रहे हैं। नौकरी की तलाश कर रहे युवाओं को बेहतर मौके मिलने वाले हैं। बिजनेस से जुड़े लोगों को कार्य विस्तार के मौके मिलेंगे। अविवाहितों के विवाह की बात बनेगी। नव दंपतियों को संतान सुख मिलेगा। विद्यार्थियों को पढ़ाई पर फोकस करना होगा।

मीन : स्वास्थ्य अच्छा रहने से अपने कार्यों पर फोकस कर पाएंगे। आपके पराक्रम में बढ़ोतरी होने वाली है। अपने साहस के दम पर चुनौतियों को दूर कर लेंगे। बिजनेस के विस्तार की योजना पर काम करें, बेहतर परिणाम मिलेंगे। नौकरीपेशा को स्वकार्य की ओर प्रवृत्त होने का समय है। किसी प्रिय से भेंट हो सकती है। आर्थिक स्थिति बेहतर रहेगी।

पति: जब तुम्हारे पास ड्राइविंग लाइसेंस था तो फिर तुम्हारा चालान क्यों कटा?
पत्नी: उसमें मेरी फोटो अच्छी नहीं थी, इसलिए पुलिसवालों को दिखाया ही नहीं।

श्यामू: खाने के तुरंत बाद सोना नहीं चाहिए।
रामू: ऐसा क्यों?
श्यामू: थोड़ी देर फेसबुक और व्हाट्सएप भी चलाना चाहिए।

रिश्तेदार: और बेटा पढ़ाई कैसी चल रही है तुम्हारी?
गोलू: अंकल, वो तो चलते-चलते बहुत दूर निकल गई है मुझसे...!!!

संक्षिप्त खबरें

एक ही परिवार के पांच सदस्यों ने खाया जहर

मुजफ्फरनगर। शहर से सटे गांव में एक ही परिवार के पांच सदस्यों ने अज्ञात कारणों से जहर खा लिया। इनमें मां और उसके चार बच्चे शामिल है, जिनमें से एक मासूम तो महज तीन साल का है। सभी लोगों को नाजुक हालत में जिला अस्पताल लाया गया, जहां से उन्हें मेरठ रेफर कर दिया गया है। शहर कोतवाली क्षेत्र के गांव बहेड़ी निवासी शहजाद की पत्नी शाइस्ता (40) को उसके तीन बेटियों आफरीन (12), सना (10), सोफिया (8) और एक बेटे सोफियान (3) के साथ बृहस्पतिवार दोपहर करीब दो बजे एंबुलेंस 108 लेकर जिला अस्पताल पहुंची थी। सभी को जिला अस्पताल इमरजेंसी कक्ष में ले जाया गया।

विधवा महिला की गला रेतकर हत्या

जयपुर। भीलवाड़ा जिले के बनेड़ा थाना क्षेत्र में विधवा महिला की गला रेतकर हत्या कर दी गई। शुक्रवार सुबह सास ने लहूलुहान शव देखकर पुलिस को बुलाया। पुलिस और एफएसएल टीम मौके पर पहुंची। घटना के समय मृतका घर में अकेली थी। वारदात में उपयोग लिया गया चाकू बरामद किया गया है। बनेड़ा थाना पुलिस ने बताया कि एराड़ी खेड़ा में रहने वाली सजना देवी (40) पत्नी शिवराज जाट की चाकू से गला रेतकर हत्या कर दी गई। बृहस्पतिवार को सास पारिवारिक कार्यक्रम में दूसरे गांव गई हुई थी। शुक्रवार सुबह जब सजना ने कमरे का दरवाजा नहीं खोला तो घटना की जानकारी मिली। पुलिस ने बताया कि सजना अपनी सास के साथ गांव में ही रहती थी। उसके पति शिवराज जाट की पांच साल पहले ही मौत हो चुकी थी।

एमडीयू शिक्षक संघ के चुनाव 25 को

रोहतक। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय शिक्षक संघ (मडूटा) का चुनाव 25 मई को होगा। मडूटा चुनाव 2022 के रिटर्निंग ऑफिसर प्रो. राहुल ऋषि ने बताया कि मडूटा के प्रधान, सचिव, कोषाध्यक्ष एवं कार्यकारी समिति के आठ सदस्यों के पद के लिए नामांकन 21 मई को शाम चार बजे तक किया जा सकता है। साथ ही नामांकन पत्रों की स्क्रूटिनिंग 21 मई को शाम 4 बजे से 5 बजे तक होगी। उन्होंने बताया कि 23 मई को सुबह 11 बजे तक नॉमिनेशन फार्म वापस लिए जा सकेंगे। साथ ही 25 मई को मडूटा चुनाव के लिए यूटीडी की वोटिंग आईएचटीएम कांफेंस हॉल में प्रात 8.30 बजे से शाम 6.30 बजे तक होगी, जबकि सीपीएएस, गुरुग्राम में वोटिंग सुबह दस बजे से अपराह्न तीन बजे तक होगी।

सड़क हादसे में बाइक सवार की मौत

जयपुर। शहर के भांकरोटा थाना क्षेत्र में तेज रफ्तार दूध टैंकर ने शुक्रवार को बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार युवक की मौत हो गई। हादसे में आसलपुर जोबनेर निवासी रूपनारायण (40) पुत्र रामेश्वर कुमावत की मौत हो गई। वह शुक्रवार को बाइक से भांकरोटा पावर हाऊस के सामने से जा रहा था। इसी दौरान अजमेर से जयपुर की ओर आ रहे तेज रफ्तार दूध टैंकर ने बाइक को चपेट में ले लिया। टक्कर से बाइक सवार रूपनारायण की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद मौके पर टैंकर छोड़कर ड्राइवर वहां से भाग निकला।

जुमे पर ज्ञानवापी में उमड़ी नमाजियों की भीड़

- नमाज अदा करने के लिए 1000 से ज्यादा लोग पहुंचे
- आमतौर पर तकरीबन 400-500 लोग ही पहुंचते हैं

वजू स्थल और शौचालय को सील करने के बाद शुक्रवार को ज्ञानवापी में पहले जुमे की नमाज अदा की गई। नमाज पढ़ने के लिए ज्ञानवापी मस्जिद में सामान्य दिनों की अपेक्षा आज ज्यादा ही भीड़ उमड़ पड़ी। हुजूम इतना था कि ज्ञानवापी परिसर नमाजियों से भर गया। अनुमान है कि हजार से ज्यादा लोग नमाज के लिए पहुंचे जबकि आम तौर पर चारप्पांच सौ लोग ही पहुंचते हैं। मस्जिद से ही वापस लौटने और अपने आसपास की मस्जिदों में नमाज अदा करने की अपील की गई। इसके बाद लोगों का आना बंद हुआ। नमाजियों की भीड़ को लेकर प्रशासन भी काफी अलर्ट रहा।

जुमे की नमाज अदा करने के लिए ज्ञानवापी परिसर में दोपहर 12 बजे से ही नमाजियों की भीड़ आनी शुरू हो गई थी। गोदौलिया, मैदागिन, चौक, दालमंडी से झुंड में नमाजी आ रहे थे। इस बीच, गेट नं. 4 पर सुरक्षाव्यवस्था चाकचौबंद रही। पुलिस के जवान नमाजियों को चेकिंग के बाद ही अंदर प्रवेश करने दे रहे थे। वजू करने के लिए मस्जिद परिसर में एक टंकी में पानी भरकर रख दिया गया था। वजू खाना कोर्ट के आदेश पर सील है। वहां सीआरपीएफ के जवानों को तैनात कर दिया गया है। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए चित्रा सिनेमा के सामने बेरिकेडिंग की गई थी। मस्जिद में आने वाले नमाजियों ने नारेबाजी भी की।

क्षेत्र की दुकानें रहीं बंद : नमाजियों की भीड़ को देखते हुए क्षेत्र की सभी दुकानें बंद रहीं। दोपहर करीब ढाई बजे जब सभी लोग नमाज पढ़ने के बाद चले गए, तब जाकर धीरेधीरे दुकानें खुलनी शुरू हुईं। मैदागिन से लेकर गोदौलिया तक किसी भी वाहन को आनेजाने नहीं दिया जा रहा था। पुलिस बेरिकेडिंग बनाकर तैनात रही। सिर्फ पैदल लोगों को ही जाने दिया जा रहा था। हालांकि सबकुछ शांतिपूर्वक बीत गया।

कुछ भी सार्थक हासिल करने में विफल रहा कांग्रेस का चिंतन शिविर : प्रशांत

- चिंतन शिविर केवल यथास्थिति को बढ़ाने और कांग्रेस नेतृत्व को कुछ समय देने वाला रहा

चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर ने कहा कि हाल ही में उदयपुर में हुआ कांग्रेस का 'चिंतन शिविर' पार्टी की बेहतरी के लिए कुछ भी सार्थक हासिल करने में विफल रहा है।

किशोर ने शुक्रवार को ट्वीट किया, मुझे बारबार उदयपुर चिंतन शिविर के परिणाम पर टिप्पणी करने के लिए कहा गया। मेरे विचार से, यह यथास्थिति को बढ़ाने और कांग्रेस नेतृत्व को कुछ समय देने के अलावा कुछ भी सार्थक हासिल करने में विफल रहा, कम से कम गुजरात और हिमाचल प्रदेश में आसन्न चुनावी हार तक।

चुनावी रणनीतिकार ने हाल ही में कांग्रेस नेतृत्व के सामने पार्टी के पुनरुद्धार के लिए आवश्यक उपायों पर अपने सुझाव दिए थे। कांग्रेस नेतृत्व ने इस पर अमल करने के बजाय संकेत दिया कि पार्टी किशोर के सुझावों पर गौर करने के लिए एक उच्च स्तरीय 'एम्पावर्ड एक्शन ग्रुप' (ईएजी) का गठन करेगी और उन्हें ईएजी का सदस्य बनाया जाएगा। हालांकि किशोर ने यह कहते हुए प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया कि वैधानिक शक्ति के बिना कोई भी समिति उनके सुझावों को लागू नहीं कर पाएगी।

बाद में प्रशांत किशोर ने लोगों की वास्तविक समस्याओं को जानने के लिए जनसुराज की संकल्पना लेकर बिहार पहुंचे और चंपारण के गांधी आश्रम से 02 अक्टूबर 2022 से 3000 किलोमीटर की पदयात्रा शुरू करने का ऐलान किया। उन्होंने कहा था कि पदयात्रा के दौरान लोगों से प्राप्त फीडबैक और समाज के विभिन्न वर्गों से राय लेने पर नई पार्टी बनाने की संभावना तलाशी जाएगी।

आध्यात्मिक चिंतन से व्यक्ति जनकल्याण के लिए प्रवृत्त होता है : कलराज मिश्र

- ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विवि के 'प्रशासनिक उत्कृष्टता के लिए आध्यात्मिकता' अभियान का शुभारंभ

राज्यपाल कलराज मिश्र ने कहा है कि आत्मा के बारे में अधिकतम जानने का प्रयास करना ही अध्यात्म है। व्यक्ति जब अंतर्मुखी होकर चिंतन करता है तो सकारात्मकता का निर्माण होता है और नकारात्मक विचार स्वयं दूर हो जाते हैं। उन्होंने कहा कि आध्यात्मिक चिंतन से व्यक्ति की संकल्प शक्ति बढ़ती है और वह जनकल्याण के लिए प्रवृत्त होता है। राज्यपाल मिश्र शुक्रवार को यहां राजभवन में प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के राजयोग शैक्षिक एवं शोध फाउंडेशन की ओर से 'प्रशासनिक उत्कृष्टता के लिए आध्यात्मिकता' अभियान के शुभारंभ अवसर पर संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि नैतिक मूल्यों का पालन करना ही धर्म का लक्षण है। व्यक्ति को अपने कार्यक्षेत्र और पारिवारिक जीवन में नैतिकता और आध्यात्मिकता के मार्ग पर चलना चाहिए। इससे न केवल उसके स्वयं के जीवन में सकारात्मक ऊर्जा आती है, बल्कि दूसरों को भी परोक्ष रूप में नैतिक मूल्यों का पालन करने के लिए प्रेरित करता है। राज्यपाल ने कहा कि भारतीय संस्कृति की मूल भावना वसुधैव कुटुम्बकम में निहित है और इसमें पृथ्वी पर रहने वाले मनुष्य ही नहीं समस्त जीवजन्तु, पेड़पौधों को भी अपने परिवार का भाग माना गया है। इसमें प्राकृतिक संतुलन का अनुपम संदेश समाहित है।

ओम शांति रिट्रीट सेंटर की निदेशक राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी आशा दीदी ने कहा कि प्रशासनिक अधिकारी आध्यात्मिकता के माध्यम से अपनी आंतरिक ऊर्जा के स्रोत को जाग्रत कर अपने कार्य को नए आयाम दे सकते हैं। उपस्थित अधिकारियों को ध्यान का नियमित अभ्यास करने का सुझाव दिया ताकि वे प्रेम, करुणा और सहानुभूति के साथ अपने दायित्व का निर्वहन कर सकें। ब्रह्माकुमारी पूनम दीदी, ब्रह्माकुमार हरीश भाई ने प्रशासनिक अधिकारियों और प्रबंधकों में आध्यात्मिक चेतना के जागरण के लिए शुरू किए गए इस अभियान के बारे में जानकारी दी।

ज्ञानवापी पर बाहरी हस्तक्षेप ठीक नहीं, स्थानीय लोग तलाशें समाधान : इकबाल

बाबरी मस्जिद के मुद्दई स्व. हाशिम अंसारी के पुत्र इकबाल अंसारी ने कहा कि ज्ञानवापी मसला वाराणसी का है, जिसके समाधान के लिए वहां के स्थानीयजनों को आगे आना होगा। उन्होंने कहा कि स्थानीय लोग इस मसले पर पूरी तरह से चुप्पी साधे हुए हैं। श्री अंसारी ने कहा कि बाहरी लोगों के हस्तक्षेप से किसी भी मसले के समाधान में दिक्कतें होती हैं। इसे स्थानीय लोगों को मिलकर हल करना चाहिए।

राष्ट्रीय सहारा से विशेष बातचीत में श्री अंसारी ने कहा कि वाराणसी से आ रही खबरों में स्थानीयजनों की भूमिका लगभग नगण्य है। वाराणसी भगवान भोलेनाथ की नगरी है, इस मसले का भी समाधान होगा। उन्होंने कहा कि पूजा पद्धतियां अलग हो सकती हैं, मगर सभी को एकदूसरे के धर्मों के प्रति आस्था रखनी चाहिए, इससे विवाद के समाधान का रास्ता मिलता है और आपसी सौहार्द बढ़ता है।

एक सवाल पर उन्होंने कहा कि अयोध्या मसला विश्व स्तर का हो गया था। फिर भी अयोध्या में कहीं कोई विवाद नहीं हुआ और न अब है। श्रीराम मंदिर का निर्माण हो रहा है। आपस में सौहार्द कायम है, जो रामनगरी में कदमकदम पर छलकता है। यही अयोध्या की पहचान है, जो सदियों से कायम है।

योजनाओं को अंतिम छोर तक पहुंचाना प्राथमिकता : नड्डा

जयपुर : भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा शुक्रवार को राष्ट्रीय पदाधिकारियों की बैठक के दौरान पार्टी नेताओं के साथ।

- भाजपा विपक्ष की भूमिका के साथ ही गहलोत सरकार के कारनामों को भी कर रही है उजागर

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने राष्ट्रीय पदाधिकारियों की बैठक के दूसरे दिन शुक्रवार को कहा कि आने वाले दिनों में पार्टी, संगठन को मजबूत करने और केंद्र में सत्तारूढ़ नरेंद्र मोदी सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की अंतिम छोर तक पहुंच सुनिश्चित करने के लिए काम करेगी। नड्डा यहां भाजपा के राष्ट्रीय पदाधिकारियों की तीन दिवसीय बैठक के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे। इसके साथ ही नड्डा ने राज्य की अशोक गहलोत सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि उसने अपने कुशासन से वीरों की इस भूमि को बदनाम किया है।

बैठक के लिए एजेंडे की बात करते हुए नड्डा ने कहा, 'आज चार सत्रों में हम पार्टी की आगामी योजना की चर्चा करेंगे। इस दौरान संगठनात्मक, कार्यक्रमात्मक विषयों पर, पार्टी के आंतरिक संगठन को मजबूत करने पर हम चर्चा करेंगे। इस मौके पर नड्डा ने कहा कि पार्टी सशक्त बूथ बना रही है। पन्ना प्रमुख पर जोरदार तरीके से काम चल रहा है। जहां बूथ कमजोर है वहां और मजबूती प्रदान करेंगे। पार्टी के प्रशिक्षण लगातार चलते रहेंगे। मंडल, जिला स्तर पर ट्रेनिंग कैंप चल रहे हैं।

उन्होंने कहा किआने वाले समय में कैसे चुनाव में सफलता मिले इसके लिए हम जनता का आशीर्वाद लेंगे। भाजपा जनता की उम्मीद के रूप में विपक्ष की भूमिका निभा रही है। गहलोत सरकार के काले कारनामों को उजागर कर रही है। यहां फिर कमल खिले इस पर भी चिंतन होगा। बैठक में राजस्थान से भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनिया, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष वसुंधरा राजे, प्रदेश प्रभारी अरुण सिंह, राष्ट्रीय मंत्री अलका गुर्जर बैठक में मौजूद रहे।

एलएलबी के छात्र को गोलियों से भूना

कंकरखेड़ा थाना क्षेत्र के पावली खुर्द गांव में शुक्रवार को दिन निकलते ही एसटीएफ के रडार पर रहे एक लाख के इनामी बदमाश सनी काकरान ने अपने साथियों समेत तीन हमलावरों ने घर में घुसकर एलएलबी के छात्र पर ताबड़तोड़ फायरिंग कर उसे गोलियों से भूनकर मौत के घाट उतार दिया।

फायरिंग के दौरान छात्र के भाई ने मकान की दीवार फांदकर अपनी जान बचाई। सूचना पर एसपी सिटी विनीत भटनागर भी मौके पर पहुंचे और मामले की जानकारी ली। थाना प्रभारी निरीक्षक सुबोध कुमार सक्सेना का कहना है कि इस हत्या के पीछे जमीनी रंजिश सामने आयी है। छात्र के पिता ने एक लाख के इनामी बदमाश व उसके दो साथियों के खिलाफ हत्या करने का मामला दर्ज कराया है। वहीं मुख्य हत्यारोपी की मां व भाई को हत्या के पड्यंत्र में शामिल होने का आरोप भी लगाया है।

हाईकोर्ट में टोपी पहनने की अनुमति के लिए अधिवक्ता करेंगे संघर्ष

- हिमाचल और पंजाब समेत कई हाईकोर्ट में है परंपरागत टोपी पहनने का चलन

उच्च न्यायालय के अधिवक्ताओं ने न्यायालयों में ड्रेस कोड में पहाड़ी टोपी को शामिल किये जाने के साथ ही समाज और अधिवक्ताओं के समक्ष वर्तमान चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों के विरुद्ध एक सक्षम व समग्र आंदोलन शुरू करने की मुहिम चलाने का फैसला किया है। अधिवक्ता पहाड़ी संस्कृति की परिचायक टोपी के माध्यम जनजागरण अभियान शुरू करेंगे। इसके लिए जल्द ही हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश व बार कौंसिल को प्रत्यावेदन दिया जाएगा।

शुक्रवार को यह जानकारी इस अभियान के संयोजक एवं हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष एमसी पंत ने दी। उन्होंने बताया कि इस जनजागरण अभियान में अधिवक्ताओं की भागीदारी लगातार बढ़ रही है। हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के निवर्तमान अध्यक्ष अवतार सिंह रावत, पूर्व सांसद डा. महेंद्र सिंह पाल, ललित बेलवाल, एस के जैन, विवेक शुक्ला, कमलेश तिवारी, भुवनेश जोशी, सुंदर सिंह भंडारी, उत्तम सिंह भाकुनी, प्रेम कौशल, योगेश पचौलिया, नंदन सिंह कन्याल, मोहम्मद उमर, डा. कार्तिकेय हरि गुप्ता, त्रिलोचन पांडे आदि इस अभियान को आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि पहाड़ी प्रतीक की इस टोपी से ही स्वतंत्रता आंदोलन के समय पं. बद्रीदत्त पांडे के नेतृत्व का कूली बेगार आंदोलन विख्यात रहा। यह उत्तराखण्ड की पहचान भी है। उन्होंने कहा कि टोपी को व्यापक मान्यता दिये जाने की जरूरत है।

गैंगस्टर को ढाई साल की कैद

मुजफ्फरनगर (एसएनबी)। एक अदालत ने लूट तथा चोरी की घटनाओं को अंजाम देने वाले एक बदमाश के मामले में सुनवाई करते हुए उसे गैंगस्टर एक्ट में दोषी ठहराया। कोर्ट ने दोषी गैंगस्टर को ढाई साल कैद की सजा सुनाई। अभियोजन अधिकारी संदीप सिंह व विशेष लोक अभियोजक दिनेश सिंह पुंडीर तथा राजेश शर्मा ने बताया कि मामला थाना खतौली का है।

पक्का बाग खतौली निवासी हसीन वर्ष 2016 में खतौली में पक्का बाग से अपने घर जैन नगर जा रहा था। अपरान्ह 3 बजे के लगभग दो बदमाशों ने अचानक उस पर हमला कर मारपीट की। दोनों बदमाश हसीन से सरेराह उसका पर्स जिसमें 9500 रुपये थे लूट कर फरार हो गए। जिसकी हसीन ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई। अगले दिन ही खतौली के मोहल्ला मिट्ठूलाल निवासी जमील अहमद की उसके घर से बाइक चोरी हो गयी। जिसकी पुलिस में उसने रिपोर्ट दर्ज करायी।

यूपी : ओबीसी की 18 जातियों को एससी सर्टिफिकेट जारी करने पर लगी रोक बढ़ी

- हाईकोर्ट ने 24 जनवरी 2017 को लगाई थी रोक

उत्तर प्रदेश में ओबीसी की 18 जातियों को एससी कैटेगरी में शामिल करने को चुनौती देने वाली याचिका पर इलाहाबाद हाईकोर्ट में आज सुनवाई हुई। हाईकोर्ट ने एक बार फिर से ओबीसी की 18 जातियों को एससी सर्टिफिकेट जारी करने पर लगी रोक बढ़ा दी। हाईकोर्ट में राज्य सरकार की ओर से लगभग 5 वर्ष बीत जाने के बाद भी इन याचिकाओं में जवाब दाखिल नहीं किया गया जबकि हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को पिछली सुनवाई पर जवाब दाखिल करने का अंतिम मौका दिया था। वहीं, आज इस मामले की सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से कोर्ट को जानकारी दी गई कि प्रदेश सरकार किस मामले पर फिर से विचार कर रही है। कहा गया कि मंत्रिमंडल की बैठक में पुनर्विचार करेंगे।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने 24 जनवरी 2017 को 18 ओबीसी जातियों को सर्टिफिकेट जारी करने पर रोक लगाई थी। डा. भीमराव अम्बेडकर ग्रन्थालय एवं जनकल्याण समिति गोरखपुर के अध्यक्ष की ओर से दाखिल जनहित याचिका पर कोर्ट ने यह आदेश पारित किया। ओबीसी की 18 जातियों को एससी में शामिल करने का नोटिफिकेशन 22 दिसंबर 2016 को तत्कालीन अखिलेश सरकार में जारी हुआ था। इसके बाद 24 जून 2019 को भी योगी सरकार में नोटिफिकेशन जारी हुआ था। हाईकोर्ट ने इस नोटिफिकेशन पर भी रोक लगाई हुई है। याचिकाकर्ता की दलील है कि ओबीसी जातियों को एससी कैटेगरी में शामिल करने का अधिकार केवल भारत की संसद को है।

बिना कार्ययोजना विधायक चाहते हैं पांच करोड़ : खट्टर

- तीन विधायक ऐसे जिन्होंने गुजरे वर्षों में एक पैसे का काम नहीं भेजा

ढाई करोड़ की आबादी वाले हरियाणा की 90 विधानसभाओं से चुनकर आने वाले विधायकों में तीन ऐसे भी हैं, जिन्होंने गुजरे वर्षों में एक पैसे का भी काम नहीं भेजा, लेकिन वो चाहते हैं कि पांच करोड़ रुपये मिल जाएं। जबकि विधायक द्वारा अपने क्षेत्र के विकास कार्यों की लिस्ट बनाकर भेजने और उसमें खर्च होनी रकम के मद्देनजर ही सरकार द्वारा प्रति विधायक पांच वर्ष के लिए पांच करोड़ रुपये दिए जाने का प्रावधान है। ये खुलासा खुद मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने करते हुए बताया कि इन तीन विधायकों में डॉ. रघुबीर सिंह कादियान, सोमबीर सांगवान और चिरंजीव राव शामिल हैं। कुछ विधायक कहते हैं कि उन्हें पांच करोड़ रुपये नहीं मिले। आंकड़े साझा करते हुए मुख्यमंत्री बोले कि 22 विधायक ऐसे हैं, जिन्होंने पांच करोड़ रुपये से ज्यादा के कामों की लिस्ट भेजी, उनमें भी एक ने तो 5.84 करोड़ रुपये चाहे हैं, जो देने में हमें गुरेज नहीं। वहीं 10 ऐसे विधायक हैं, जिन्होंने 4.75 से 5 करोड़ रुपये के बीच के काम भेजे हैं, जबकि 32 ऐसे हैं जिन्होंने कामों के लिए 4 से 4.75 करोड़ रुपये की मांग की है।

बिजली की मांग और आपूर्ति पर मनोहर लाल ने कहा कि जल्द ही नासिक में पावर प्लांट लगाने की योजना है, जिसके लिए केंद्रीय मंत्रालय से संपर्क में हैं। वहीं खेदड़ यूनिट ठीक हो गया है, वहां से 600 मेगावाट मिलेगी। जम्मूकश्मीर से भी करार किया है, जहां से 300 मेगावाट बिजली मिलेगी। बिजली बचत के लिए डेढ़ करोड़ एलईडी बल्ब लगाए हैं, दो लाख 13 हजार एलईडी ट्यूबलाइट्स लगाई हैं, ऊर्जा बचत वाले 60 हजार पंखे लगाए हैं, जिनके जरिए लाखों यूनिट बिजली बचाई है।

पानी पर राजनीति की तो हम उनसे बड़ी राजनीति कर देंगे : मुख्यमंत्री ने दिल्ली की आप सरकार से नाराजगी जताते हुए कहा कि हरियाणा द्वारा पर्याप्त मात्रा में पानी आपूर्ति के बावजूद कभी हाईकोर्ट में तो कभी सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर रहे हैं, जबकि अपर यमुना जल बोर्ड ने भी माना है कि हरियाणा पर्याप्त पानी दे रहा है। हम अपने यहां लोगों को प्यासा मारकर पानी नहीं दे पाएंगे। उन्होंने (आम आदमी पार्टी की दिल्ली सरकार) पानी पर राजनीति की तो हम उनसे बड़ी राजनीति कर देंगे, पीछे नहीं हटेंगे। हम पानी बचत करने के प्लान बना रहे हैं, फिर भी दिल्ली के लोग बारबार कहते हैं कि पानी की कमी है। पानी बचाने की जिम्मेदारी अकेले हमारी नहीं, आप को भी कुछ करना चाहिए। पंजाब और हरियाणा का पानी विवाद पुराना है। हमें हमें पंजाब से पानी दिलाएं तो हम दिल्ली को देंगे पानी। पानी को लेकर आप पंजाब के साथ दिल्ली भी आ गया है।

पुलिसकर्मियों को डीजीपी ने किया सम्मानित

लखनऊ (एसएनबी)। डीजीपी देवेन्द्र सिंह चौहान द्वारा नई परम्परा की शुरूआत करते हुए क्षेत्र में सराहनीय कार्य करने वाले पुलिसकर्मियों को स्वयं अपने कार्यालय में बुलाकर पुरस्कृत करने का निर्णय लिया गया है। इसके तहत शुक्रवार को मुख्यालय में डीजीपी द्वारा चार आरक्षी तथा एक होमगार्ड को प्रशस्तिपत्र एवं पांचप्पांच हजार रूपये नकद से पुरस्कृत किया गया।

यूपी पुलिस के अधिकारियों ने पुलिस मुख्यालय में उन साथियों को सम्मानित किया जिन्होंने अपने कर्तव्यपालन में ईमानदारी, लगन, मेहनत और बहादुरी का परिचय दिया है। इस अवसर पर एडीजी कानून व्यवस्था प्रशान्त कुमार, एडीजी एवं डीजीपी के जीएसओ एन. रविन्दर सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। डीजीपी द्वारा पुरस्कृत मैनपुरी के आरक्षी सुशील कुमार अवकाश पर सपरिवार मां चामुंडा देवी दर्शन हेतु हिमांचल प्रदेश गये थे, जहां पर 18 अप्रैल को मंदिर परिसर में उन्हें रूपये एवं जेवरात से भरा लेडीज पर्स मिला। पर्स में लगभग 8-9 लाख रूपये के जेवरात थे।

चंबल रिवर फ्रंट पर स्थापित होगी चंबल माता की प्रतिमा

- 256 फुट की दुनिया की सबसे ऊंची होगी प्रतिमा, 1500 पीस जोड़कर बनाएंगे

निर्माणाधीन विश्व स्तरीय पर्यटन स्थल चंबल रिवर फ्रंट पर स्थापित होने वाली चंबल माता की दुनिया की सबसे ऊंची 256 फीट की प्रतिमा का शुभारंभ रिवर फ्रंट पर विधिवत पूजा अर्चना के साथ किया गया। जहां प्रतिमा स्थापित की जानी है उसी स्थान पर प्रतिमा की चरण पादुका की पूजा अर्चना की गई।

चंबल रिवर फ्रंट पर कई विश्व कीर्तिमान स्थापित किए जा रहे हैं लेकिन सबसे ज्यादा आकर्षण का केंद्र बनने वाली दुनिया की सबसे ऊंची चंबल माता की प्रतिमा है जो जयपुर में तैयार की जा रही है। वियतनाम मार्बल से निर्माण की जा रही इस प्रतिमा की ऊंचाई 256 फीट, करीब 1500 पीस में प्रतिमा का निर्माण किया जा रहा है। 55 पीस कोटा में पहुंच चुके हैं। जिनको अब पेडेस्टल पर स्थापित करने का कार्य शुरू किया जाएगा। करीब 26 करोड़ की लागत से निर्मित हो रही दुनिया की सबसे ऊंची चंबल माता की प्रतिमा का वजन 1500 टन के करीब रहेगा। प्रतिमा बैराज गार्डन के पास स्थापित की जा रही है जिसका फेस नयापुरा की ओर होगा।

प्रतिमा से पानी का प्रवाह भी आकर्षण का केंद्र बनेगा। प्रतिमा के ठीक नीचे पांच हाथी स्वागत करते नजर आएंगे। करीब डेढ़ फीट के दो पाइपों के जरिए भारी भरकम पंप से प्रतिमा के शीर्ष तक पानी को पहुंचाया जाएगा। मूर्तिकार निर्मल शर्मा ने बताया कि जयपुर में 100 से अधिक कारीगर इस विश्व स्तरीय प्रतिमा को बेहद खूबसूरत बनाने में जुटे हैं। जुलाई माह तक पूरी दुनिया के लिए आकर्षण का केंद्र बनने वाली चंबल माता प्रतिमा रिवर फ्रंट पर स्थापित कर दिया जाएगा। इसके मद्देनजर कार्यस्थल पर पूजा की गई जिसमें यूआईटी के अधिकारी, महापौर और कांग्रेस नेता मौजूद रहे।

रामगढ़ टाइगर रिजर्व में 13 फुट ऊंचा एनक्लोजर तैयार

बूंदी जिले के रामगढ़ टाइगर रिजर्व में बाघिन को छोड़ने के लिए एनक्लोजर बन कर तैयार हो गया है। इसे पूरी तरह से पैंथर प्रूफ बनाया गया है, यानी इसमें पैंथर अंदर नहीं आ सकता। एनक्लोजर रामगढ़ महल से महज कुछ दूरी पर बनाया गया है ताकि इस पर नजर रखना वनकर्मियों के लिए आसान रहे।

अंतिम जांच के बाद सबसे पहले यहां घना से 150 चीतल छोड़े जाएंगे। इसके बाद बाघिन को यहां छोड़ा जाएगा। जानकारी के अनुसार 4.29 हेक्टेयर में तैयार किए गए इस एनक्लोजर की ऊंचाई 13 फीट रखी गई है। साथ ही इसे बनाने के दौरान इस बात का खास तौर पर ध्यान रखा गया है कि जालियों के पास कोई पेड़ न हो। एनक्लोजर निर्माण के लिए वाइल्ड लाइफ को 90 लाख रुपए का बजट मिला था। 10 मार्च से इसका काम शुरू किया गया था। एनक्लोजर के अंदर ग्रासलैंड डवलप करने के लिए जूली फ्लोरा को हटाया गया है। बरसात से पहले जूली फ्लोरा से मुक्त हुई जगह पर बीज डाले जाएंगे।

SPORTS खेल जगत

विराट को जीवनदान देना गुजरात टाइटंस को पड़ा भारी

सीजन में पहली बार 'किंग कोहली' का धमाका

जिस पारी का इंतजार था वह रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) के आखिरी लीग मैच में देखने को मिली। आखिरकार विराट कोहली ने उस तरह की पारी खेली जिसके लिए वो जाने जाते हैं। विराट ने 54 गेंदों पर 73 रन बनाए। उन्होंने अपनी पारी में आठ चौके और दो छक्के लगाए। कोहली का स्ट्राइक रेट 135.19 का रहा। कोहली ने फाफ डुप्लेसिस के साथ शतकीय साझेदारी की और करो या मरो वाले मैच में टीम को जीत दिलाई। आरसीबी को प्लेऑफ की दौड़ में बने रहने के लिए हर हाल में यह मैच जीतना था। इस अहम मुकाबले में उसके सबसे बड़े स्टार कोहली ने मोर्चा संभाल लिया और टीम की उम्मीदों को जिंदा रखा। आरसीबी की जीत के कारण पंजाब किंग्स और सनराइजर्स हैदराबाद की टीम बाहर हो गई। अब दिल्ली कैपिटल्स और मुंबई इंडियंस पर सबकी नजरें हैं। अगर दिल्ली की टीम जीत जाती है तो आरसीबी बाहर हो जाएगी। वहीं, मुंबई जीत लेती है तो कोहली की टीम आगे बढ़ जाएगी। मैच में टर्निंग पॉइंट कोहली को मिला जीवनदान: गुजरात ने 20 ओवर में 168 रन बनाए। उसे इस स्कोर को बचाने के लिए आरसीबी के शुरुआती विकेट लेने थे। चौथे ओवर में यह मौका मिला भी। हार्दिक पांड्या की तीसरी गेंद को विराट कोहली ने लेग साइड में ऊंचा शॉट लगाया। स्क्वायर लेग बाउंड्री पर राशिद खान खड़े थे। राशिद वह कैच नहीं पकड़ पाए। कोहली को वह जीवनदान मिल गया जिसका उन्हें इंतजार था। खराब फॉर्म में चल रहे इस बल्लेबाज को एक मौका मिल गया। उन्होंने 73 रन ठोककर टीम को जीत दिला दी। दोनों कप्तानों का कैसा रहा प्रदर्शन? बल्लेबाजी में फाफ डुप्लेसिस की तुलना में हार्दिक पांड्या आगे रहे। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला करने वाली गुजरात की टीम को शुरुआती झटके लगे। उसके बाद हार्दिक ने टीम को संभाला। उन्होंने 47 गेंद पर नाबाद 62 रन बनाए। इस दौरान चार चौके और तीन छक्के लगाए। उनका स्ट्राइक रेट 131.91 का रहा।

डुप्लेसिस की बात करें तो उन्होंने 38 गेंदों पर 44 रन बनाए। अच्छी शुरुआत को वो बड़ी पारी में नहीं बदल पाए। उन्होंने अपनी पारी में पांच चौके लगाए। डुप्लेसिस का स्ट्राइक रेट 115.79 का रहा। उन्होंने कोहली के साथ पहले विकेट के लिए 115 रनों की साझेदारी की।

गुजरात के लिए मैच में क्या-क्या हुआ? सकारात्मक पक्ष: बल्लेबाजी में एक बार फिर से ऋद्धिमान साहा, हार्दिक पांड्या और डेविड मिलर ने टीम के लिए योगदान दिया। साहा ने 31 तो मिलर ने 34 रन बनाए। हार्दिक ने 62 रनों की पारी खेली। राशिद खान ने आखिरी ओवरों में छह गेंद पर 19 रन जड़ दिए। गेंदबाजी में राशिद और साई किशोर ने बेहतरीन काम किया। राशिद ने चार ओवरों में 32 रन देकर दो विकेट लिए। साई किशोर ने चार ओवर में सिर्फ 20 रन दिए।

नकारात्मक पक्ष: शुभमन गिल, मैथ्यू वेड और राहुल तेवतिया ने निराश किया। गिल एक और तेवतिया दो रन बनाकर आउट हो गए। वेड ने 16 रन बनाए और अच्छी शुरुआत को बड़ी पारी में नहीं बदल पाए। गेंदबाजी में मोहम्मद शमी, हार्दिक पांड्या और लॉकी फर्ग्यूसन की जमकर कुटाई हुई। शमी ने दो ओवर में 23, हार्दिक ने तीन ओवर में 35 और फर्ग्यूसन ने 1.4 ओवर में 21 रन लुटाए। यश दयाल ने चार ओवर में 35 रन दिए। गुजरात की टीम प्लेऑफ में पहुंच गई है और अब उसे क्वालीफायर-1 में खेलना है। पिछले कुछ मैचों में टीम का प्रदर्शन निराशाजनक रहा है। इसे हार्दिक की टीम को सुधारना होगा।

आरसीबी के लिए मैच में क्या-क्या हुआ?

सकारात्मक पक्ष: गेंदबाजी में शाहबाज अहमद, ग्लेन मैक्सवेल, वानिंदु हसरंगा और हर्षल पटेल ने बेहतर काम किया। चारों ने रन नहीं लुटाए। शाहबाज ने दो ओवर में 15 रन दिए। मैक्सवेल ने चार ओवर में 28 रन देकर एक विकेट अपने नाम किया। हसरंगा ने चार ओवर में 25 रन देकर एक विकेट लिया। हर्षल ने एक ओवर में सिर्फ छह रन दिए। बल्लेबाजी में कोहली के साथ - साथ डुप्लेसिस और मैक्सवेल का भी बल्ला चला। कोहली और डुप्लेसिस के बाद मैक्सवेल ने 18 गेंदों पर 40 रन की नाबाद पारी खेली।

चेन्नई के खिलाफ जीत के साथ राजस्थान की नजरें अंक तालिका में दूसरे नंबर पर

जानें दोनों टीमों की संभावित प्लेइंग 11

पिछले कुछ मैचों में कोई धमाल नहीं कर पाने वाले जोस बटलर शुक्रवार को यहां इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मैच में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के कम अनुभवी गेंदबाजी आक्रमण की धज्जियां उड़ाने का बेसब्री से इंतजार कर रहे होंगे। राजस्थान रॉयल्स की टीम यह मैच जीतकर अंक तालिका में दूसरे स्थान पर पहुंचना चाहेगी। ऐसा होने पर रॉयल्स को फाइनल में पहुंचने के दो मौके मिलेंगे। जीत राजस्थान रॉयल्स के लिए शीर्ष दो में स्थान भी सुनिश्चित करगी, क्योंकि लखनऊ सुपर जायंट्स (+0.251) की तुलना में उनका +0.304 का नेट रन रेट काफी बेहतर है।

राजस्थान रॉयल्स की टीम सीएसके के लचर प्रदर्शन का फायदा भी उठाना चाहेगी क्योंकि अंतिम मैच में वह उनका खेल बिगाड़ भी सकती है। इससे बचने के लिए बटलर को बल्ले से दमदार प्रदर्शन दोहराते हुए योगदान करना होगा क्योंकि वह पिछले चार मैचों में 22, 30, 07 और 02 रन की पारी ही खेल पाए हैं जबकि वह बल्लेबाजों की तालिका में 627 रन बनाकर इस समय शीर्ष पर चल रहे हैं।

रॉयल्स की गेंदबाजी मजबूत

राजस्थान रॉयल्स की टूर्नामेंट में सफलता का ज्यादातर श्रेय बटलर द्वारा दिलाई गई शानदार शुरुआत और युजवेंद्र चहल के 24 विकेट को ही दिया जाएगा। बटलर तीन शतक और इतने ही अर्धशतक जड़ चुके हैं। उन्होंने अपने ज्यादातर रन टूर्नामेंट के शुरुआती 'हाफ' में बनाए। चहल ने गेंदबाजी में अपनी लय बरकरार रखी है लेकिन बटलर की बात करें, तो उनकी फॉर्म में थोड़ी गिरावट आई है लेकिन प्लेऑफ से पहले अंतिम लीग मैच उनके लिए वापसी करने का आदर्श समय होगा।

राजस्थान रॉयल्स के गेंदबाजी आक्रमण को टूर्नामेंट के सर्वश्रेष्ठ में से एक कहा जा सकता है जिसमें चहल (24 विकेट, इकोनोमी रेट 7.76) और रविचंद्रन अश्विन (10 विकेट, इकोनोमी रेट 7.15) की स्पिन जोड़ी ने बल्लेबाजों को काफी परेशान किया है। प्रसिद्ध कृष्णा (15 विकेट) ने भी ज्यादातर दिन धारधार गेंदबाजी की है और ट्रेंट बोल्ट (12 विकेट) की गेंदों को खेलना भी किसी भी शीर्ष क्रम के लिए मुश्किल हो जाता है।

चेन्नई को बल्लेबाजों ने किया निराश

सीएसके की गेंदबाजी में मुकेश चौधरी, सिमरजीत सिंह और 'बेबी मलिंगा' के नाम से मशहूर माथिशा पाथिराना अंतिम मुकाबले में अपनी धार दिखाना चाहेंगे लेकिन टूर्नामेंट के ज्यादातर मैचों में खराब बल्लेबाजी के कारण टीम का मनोबल गिरा हुआ है। बटलर जहां राजस्थान रॉयल्स के लिए बल्लेबाजी सूची में शीर्ष पर बने हुए हैं तो सीएसके के ऋतुराज गायकवाड़ ने बाद में लय हासिल की जिससे वह 366 रन बना चुके हैं लेकिन अन्य कोई भी बल्लेबाज 300 रन के करीब तक नहीं पहुंचा है।

डेवोन कोनवे ने दूसरे 'हाफ' में अधिक मैच खेले, उनके 236 रन हैं। सीएसके के ज्यादातर सीनियर खिलाड़ी जैसे एमएस धोनी (206), अंबाती रायडू (271) और रॉबिन उथप्पा (230) इस आईपीएल सत्र में अच्छा नहीं कर सके जो टीम की सबसे बड़ी विफलता रही है।

चाहर की खल रही कमी

चोटिल दीपक चाहर की अनुपस्थिति और जोश हेजलवुड को रिटेन नहीं कर पाने से उनकी गेंदबाजी काफी प्रभावित हुई उनके पास गेंदबाजी अनुभव नहीं था जिसका उन्हें खामियाजा भुगतना पड़ा। पाथिराना का गेंदबाजी एक्शन लसिथ मलिंगा के एक्शन की तरह ही दिखता है। उन्होंने धोनी को प्रभावित किया लेकिन अभी काम किया जाना बाकी है।

देश परदेश

आजादी के बाद सबसे खराब हालात से जूझ रहा श्रीलंका

आर्थिक संकट के बीच नौ नए मंत्रियों ने ली शपथ

श्रीलंका फ्रीडम पार्टी (एसएलएफपी) के पूर्व मंत्री निमल सिरिपाला डी सिल्वा, निर्दलीय सांसद सुशील प्रेमजयंता, विजयदास राजपक्षे, तिरान एलेस समेत नौ मंत्रियों को राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे ने शपथ दिलाई।

श्रीलंका अपनी आजादी के बाद सबसे खराब दौर से गुजर रहा है। विदेशी कर्ज बढ़ता ही जा रहा है। आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति प्रभावित है। महंगाई चरम सीमा पार कर चुकी है और हाल ही में देश में राजनीतिक उथल-पुथल भी हो चुका है। इस बीच शुक्रवार को श्रीलंका में नौ नए कैबिनेट मंत्रियों ने शपथ ली। श्रीलंका फ्रीडम पार्टी (एसएलएफपी) के पूर्व मंत्री निमल सिरिपाला डी सिल्वा, निर्दलीय सांसद सुशील प्रेमजयंता, विजयदास राजपक्षे, तिरान एलेस समेत नौ मंत्रियों को राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे ने शपथ दिलाई। जबकि, पिछले सप्ताह ही चार अन्य मंत्रियों ने शपथ ली थी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक श्रीलंका की कैबिनेट में राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री समेत 25 सदस्य होंगे।

मंत्रियों को बांटे गए विभाग

खबरों के मुताबिक, निमल सिरिपाला डी सिल्वा पोर्ट्स को नौसेना और उड्डयन सेवा मंत्री, सुशील प्रेमजयंता को शिक्षा मंत्री के रूप में नियुक्त किया गया है। इसके अलावा केहेलिया रामबुकवेला ने स्वास्थ्य मंत्री के रूप में शपथ ली और विजयदास राजपक्षे ने न्याय, जेल मामलों, संवैधानिक सुधार मंत्री के रूप में शपथ ली। इसके अलावा अन्य मंत्रियों के बीच भी मंत्रालयों को वितरण किया गया।

देखते ही गोली मारने का नहीं दिया गया आदेश

श्रीलंका के पीएम रानिल विक्रमसिंघे ने बृहस्पतिवार को संसद को बताया कि सरकार विरोधी हिंसक प्रदर्शनों के दौरान प्रदर्शनकारियों को देखते ही गोली मारने का कोई आदेश रक्षा मंत्रालय को नहीं दिया गया था। विक्रमसिंघे ने कहा कि लिखित में ऐसा कोई आदेश जारी नहीं किया गया। दरअसल, खबरें सामने आई थी कि हिंसक विरोध के बीच थलसेना, वायुसेना और नौसेना कर्मियों को सार्वजनिक संपत्ति लूटने या दूसरों को नुकसान पहुंचाने वाले किसी भी व्यक्ति पर गोली चलाने का 10 मई को आदेश दिया गया। यह आदेश तब दिया गया, जब भीड़ ने राजपक्षे परिवार व उनके करीबी लोगों की संपत्ति पर हमला किया। इस घटनाक्रम पर पीएम विक्रमसिंघे ने कहा, पुलिस अपने विवेकाधिकार का इस्तेमाल कर सकती है और जरूरत पड़ने पर गोली भी चला सकती है। लेकिन इसके लिए प्रक्रियाओं का पालन करना होता है।

कश्मीर को लेकर बिलावल ने भारत के खिलाफ उगला जहर, फिर मिला करारा जवाब

पाकिस्तान के नए विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी ने संयुक्त राष्ट्र में एक बार फिर से कश्मीर को लेकर भारत के खिलाफ जहर उगला है। बिलावल ने भारत पर कई गंभीर आरोप लगाए। बिलावल ने भारत के खिलाफ नाराजगी जताते हुए कहा कि भारत ने कश्मीर का विशेष दर्जा खत्म कर बहुत बड़ी गलती की है और संयुक्त राष्ट्र प्रस्तावना का उल्लंघन किया है। भारत ने कश्मीरी लोगों का उत्पीड़न किया है और निर्दोष लोगों के खिलाफ अत्याचार किया है। बिलावल ने कहा कि पांच अगस्त 2019 के भारत सरकार के फैसले संयुक्त राष्ट्र के कानून का घोर उल्लंघन था। भारत द्वारा कश्मीर को लेकर परिसीमन आयोग की सिफारिशों जैसे कदम सिर्फ कश्मीर के लोगों पर ही नहीं बल्कि संयुक्त राष्ट्र, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद, उसकी प्रस्तावना और चौथे जिनेवा कन्वेंशन पर भी हमला है। भारत ने दिया करारा जवाब वहीं भारत ने शुक्रवार को जम्मू-कश्मीर पर अनुचित टिप्पणी करने के लिए पाकिस्तान को फटकार लगाई, कहा कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में उसके विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी द्वारा की गई टिप्पणी एक हताशा में दी गई प्रतिक्रिया है जिसका उद्देश्य किसी भी मंच और हर विषय का दुरुपयोग करने के लिए झूठे और दुर्भावनापूर्ण प्रचार का प्रचार करना है। कश्मीर हमारा था, है और रहेगा: भारत संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी मिशन के काउंसलर राजेश परिहार ने कहा कि जम्मू और कश्मीर और लद्दाख के केंद्र शासित प्रदेश हमेशा भारत का अभिन्न और अविभाज्य हिस्सा थे, हैं और रहेंगे। इसमें वे इलाके भी शामिल हैं जो पाकिस्तान के अवैध कब्जे में हैं। परिहार ने कहा कि किसी भी देश की ओर से कोई भी बयानबाजी और दुष्प्रचार इस तथ्य को नकार नहीं सकता।

संकट में पाकिस्तानी अर्थव्यवस्था, 38 गैर जरूरी लग्जरी वस्तुओं का आयात बंद, रुपया बचाने की कवायद

श्रीलंका के बाद पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था भी संकट की ओर बढ़ रही है। देश को बड़े संकट से बचाने के लिए शहबाज शरीफ सरकार ने 'आपात आर्थिक योजना' लागू की है। इसके तहत 38 गैर जरूरी व लग्जरी वस्तुओं के आयात पर पाबंदी लगा दी गई है। शहबाज सरकार ने यह कदम डॉलर के मुकाबले पाकिस्तानी रूपये के मूल्य में आई रिकॉर्ड गिरावट के बीच लिया है। पाकिस्तान का भी विदेशी मुद्रा भंडार तेजी से कम हो रहा है, इसलिए वह नहीं चाहता है कि देश में गैर जरूरी सामान के आयात पर विदेशी मुद्रा खर्च की जाए। पीएम शहबाज शरीफ ने ट्वीट कर कहा कि सरकार के इस निर्णय से बेशकीमती विदेशी मुद्रा बचाई जा सकेगी। हम कठोरता बरतेंगे। आर्थिक रूप से सक्षम लोगों को इसमें अगुआई करना चाहिए ताकि देश के वंचितों लोगों को पूर्ववर्ती पीटीआई सरकार द्वारा उन पर डाला गया यह बोझ न उठाना पड़े।\पाकिस्तान में एक डॉलर 200 रुपये का पाकिस्तानी रुपया बुधवार को अब तक के सबसे निचले स्तर पर आ गया, क्योंकि देश के इतिहास में पहली बार अमेरिकी डॉलर के मुकाबले पाकिस्तानी रुपया बुरी तरह लुढ़क गया। पाक विदेशी मुद्रा बाजार में एक डॉलर का दाम 200 पाकिस्तानी रुपये हो गया। यहां यह उल्लेखनीय है कि भारत में डॉलर का दाम 77.50 रुपये के करीब है।

पाकिस्तान की सूचना मंत्री मरियम औरंगजेब ने गुरुवार को इस्लामाबाद में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में अनावश्यक आयात पर पाबंदी का एलान किया। मरियम ने कहा कि पीएम शरीफ देश की अर्थव्यवस्था को स्थिर करने के लिए रातदिन जुटे हुए हैं। इसीलिए गैर जरूरी सामान के आयात पर भी रोक लगाई गई है। इन लग्जरी सामान का उपयोग आम जनता नहीं करती है। हमारी सरकार अब निर्यात पर जोर दे रही है। चीनी नागरिकों को सर्वोच्च सुरक्षा पाक पीएम शहबाज शरीफ ने कहा है कि उनका देश चीनी नागरिकों को सर्वोच्च सुरक्षा प्रदान कर रहा है। सभी चीनी संस्थानों को भी पूरी सुरक्षा दी जा रही है। पाकिस्तान में चीन की आर्थिक गलियारा परियोजना के तहत बड़ी संख्या में चीनी नागरिक काम कर रहे हैं। गुरुवार को चीन के विदेश सुरक्षा आयुक्त चेंग जियोपिंग ने पीएम शरीफ से मुलाकात की। इसमें पीएम ने उन्हें चीनी नागरिकों को पर्याप्त सुरक्षा का भरोसा दिलाया।

तारक मेहता का उल्टा चश्मा में अब नहीं दिखेंगे शैलेश लोढ़ा

तारक मेहता का उल्टा चश्मा फेम शैलेश लोढ़ा उर्फ तारक मेहता ने करीब 14 साल तक शो से जुड़े रहने के बाद शो छोड़ को अलविदा कह दिया है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, शैलेश पिछले महीने से शो की शूटिंग नहीं कर रहे हैं और वह अब शो में दोबारा वापसी करने के मूड में नहीं हैं, क्योंकि वह कॉन्ट्रैक्ट से खुश नहीं हैं और उनका मानना है कि उनकी डेट्स का इस्तेमाल शो में ठीक तरह से नहीं किया जा रहा है। उनका शो छोड़ने का एक कारण यह भी है कि उनको इस शो के कारण दूसरे शो छोड़ना पड़ रहा है, लेकिन अब वह अपना समय बर्बाद नहीं करना चाहते हैं और अपने रास्ते में आने वाले किसी भी नए प्रस्ताव को ना कहना चाहते हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, प्रोडक्शन हाउस उन्हें समझाने की पूरी कोशिश कर रहा है, लेकिन ऐसा लगता है कि उन्होंने अपना फैसला ले लिया है और इसे बदलने के मूड में नहीं हैं। 28 जुलाई, 2008 को पहली बार प्रसारित, तारक मेहता का उल्टा चश्मा लोकप्रिय शो में से एक है, जो सामाजिक मुद्दों से जुड़ा है। यह उन टीवी शो में से एक है, जिसने अपनी कहानी के माध्यम से कोविड महामारी के बारे में जागरूकता पैदा करने की कोशिश की। इसमें दिलीप जोशी, शैलेश लोढ़ा, अमित भट्ट, मंदार चंदवाडकर, सोनालिका जोशी, सुनयना फोजदार, मुनमुन दत्ता और तनुज महाशब्दे शामिल हैं। हाल ही में गुरुचरण सिंह और नेहा मेहता ने भी शो छोड़ दिया है। अब शैलेश लोढ़ा भी शो छोड़ने का फैसला है।

आप हर चीज को बेहतर बनाते हैं : कैटरीना

बॉलीवुड के मशहूर अभिनेता विक्की कौशल का जन्मदिन था। उनकी पत्नी और अभिनेत्री कैटरीना कैफ ने सोशल मीडिया पर अपने पति के लिए एक प्यार भरा पोस्ट साझा किया। कैटरीना ने इंस्टाग्राम पर विक्की के साथ न्यूयॉर्क में छुट्टियां मनाते हुए दो तस्वीरें साझा कीं। पहली तस्वीर में वह अपनी खूबसूरत पत्नी को गले लगाते नजर आ रहे हैं तो वहीं दूसरे में वह रोमांटिक अंदाज में उन्हें हल्के से किस करते नजर आ रहे हैं। कैटरीना ने कैप्शन में लिखा, न्यूयॉर्क वाला बर्थडे माय लव सीधे शब्दों में कहें.. आप सब कुछ बेहतर बनाते हैं। कैटरीना ने कैप्शन में लिखा। विक्की ने अपने जन्मदिन के जश्न की कई तस्वीरें भी साझा कीं और उन्हें भेजे गए प्यार भरे संदेशों के लिए सभी को धन्यवाद दिया। नए साल में अपने पसंदीदा लोगों के साथ मजे कर रहा हूं। मेरा दिल हर्षो उल्लास से भर गया है। मुझे अपना प्यार और शुभकामनाएं भेजने के लिए आप सभी का धन्यवाद। प्यार प्यार और बहुत सारा प्यार। अगर विक्की की आने वाली फिल्मों की बात करे तो, विक्की के पास बिना शीर्षक वाली लक्ष्मण उटेकर फिल्म, मेघना गुलजार की सैम बहादुर की बायोपिक और उनकी झोली में कॉमेडी फिल्म गोविंदा नाम मेरा है।

इस दिन होगा जुग जुग जियो का ट्रेलर रिलीज

वरुण धवन, कियारा आडवाणी, अनिल कपूर, नीतू कपूर, मनीष पॉल और प्राजक्ता कोली द्वारा अभिनीत बहुचर्चित फिल्म जुगजुग जियो का लोग बेसब्री से इंतजार कर रहे है।

हालही में फिल्म के पोस्टर्स का अनावरण किया गया था तथा सारे कलाकारों ने मजेदार वीडियो के जरिए अपने अपने किरदारों का परिचय दिया था जिसे प्रशंसक खूब पसंद करते दिख रहे है और सोशल मीडिया पे चर्चा का विषय बना हुआ है। अनिल कपूर भीम का किरदार निभा रहे है वीडियो में उन्होंने काफी फंकी सूट पहना था और वह खुद को एक ऐसे व्यक्ति के रूप में पेश कर रहे हैं जो आकर्षण का केंद्र बनना चाहता है और आत्म-मुग्ध है। वरुण धवन डैशिंग कुकू का किरदार निभा रहे है जो दिल से अमीर है। नीतू कपूर गीता का किरदार निभा रही है, जो घर की खुशी को अपनी सर्वोच्च प्राथमिकता मानती है। कियारा नैना के किरदार में जल्द ही हमारा दिल चुराने आ रही हैं। मनीष पॉल गुरप्रीत बनकर सबको हंसाने और प्राजक्ता कोली गिन्नी के किरदार में अपनी चुलबुली अंदाज में छा जाने के लिए तैयार है। प्रशंसक का उत्साह देख निर्माताओं ने आज 22 मई को ट्रेलर रिलीज करने की घोषणा एक मस्तीभरे डांसिंग वीडियो से की है। राज मेहता निर्देशित फिल्म जुगजुग जियो 24 जून 2022 को सिनेमाघरों में होगी रिलीज।

कान्स फिल्म फेस्टिवल के रेड कार्पेट पर पहले ही दिन दीपिका ने लूटी सारी लाइमलाइट

17 मई को दुनिया के सबसे प्रतिष्ठित इवेंट्स में से एक कान्स फिल्म फेस्टिवल की शुरुआत हो चुकी है। इस बार का इवेंट बॉलीवुड के लिए बेहद खास है क्योंकि एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण इसका तो हिस्सा बनीं लेकिन जूरी मेंबर के तौर पर। दीपिका कान्स फिल्म फेस्टिवल 2022 की जूरी मेंबर के तौर पर शामिल हुई हैं। हर बार कान्स के रेड कार्पेट पर अपने लुक्स से फैंस के दिलों की धड़कनें बढ़ाने वाली दीपिका के लुक्स का इंतजार था। इस बार भी उन्होंने पहले ही दिन रेड कार्पेट पर अपने लुक से हर किसी को हैरान कर दिया। दीपिका कान्स के रेड कार्पेट पर अपने देसी अंदाज में उतरीं। लुक की बात करें दीपिका ब्लैक एंड गोल्डन कलर की साड़ी में बला की खूबसूरत दिखीं। इस साड़ी के साथ दीपिका ने ब्लैक स्लीवलेस ब्लाउज पहना था जो उनके लुक को बोल्ड बना रहा है। मिनिमल मेकअप, आंखों पर मोटे लाइनर, न्यूड लिपस्टिक उनके लुक को परफेक्ट बना रही हैं। दीपिका ने अपना लुक कानों में हैवी इयररिंग, बालों का बन बनाकर पूरा किया। अपने ओवर ऑल लुक में दीपिका कहर ढा रही हैं। इन सबसे कहीं अधिक दीपिका पादुकोण की दिलकश स्माइल दर्शकों का दिल चुरा रही थी। फैंस दीपिका की इन तस्वीरों को काफी पसंद कर रहे हैं।

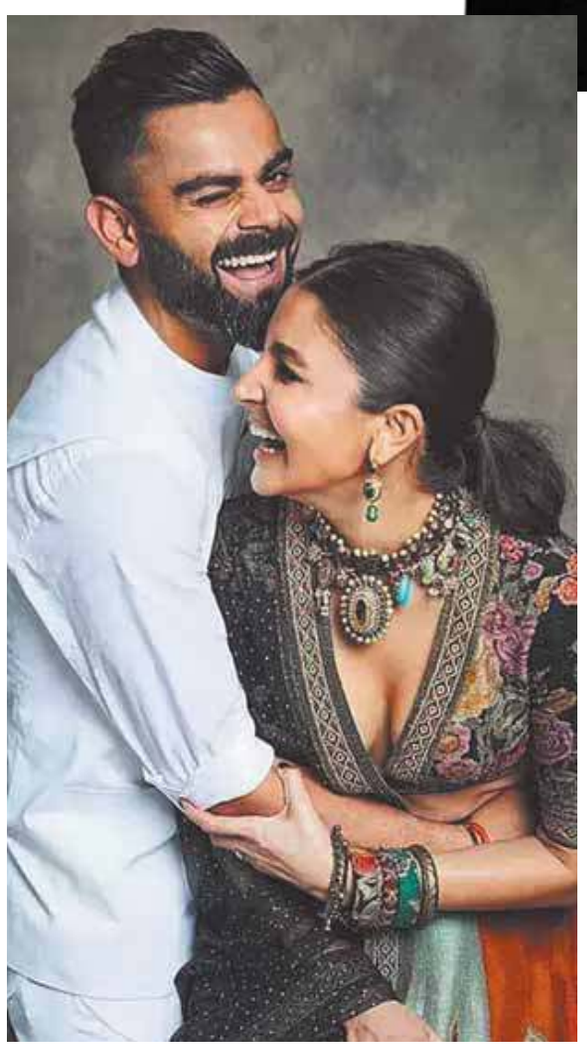

पति विराट कोहली से बैटिंग टिप्स लेती हैं अनुष्का

अनुष्का शर्मा इन दिनों फिल्म चकदा एक्सपेरस की तैयारी कर रही हैं। वह शूटिंग के साथ-साथ क्रिकेट की प्रैक्टिस कर रही हैं। फिल्म में अनुष्का, भारत की पूर्व कप्तान झूलन गोस्वामी का किरदार निभा रही हैं। अनुष्का शर्मा इन दिनों अपकमिंग फिल्म चकदा एक्सप्रेस की तैयारी कर रही हैं। इस फिल्म में अनुष्का, झूलन देवी का किरदार निभा रही हैं। वैसे बता दें कि अनुष्का इस फिल्म के जरिए काफी समय बाद फिल्मों में वापसी कर रही हैं। वह लास्ट साल 2018 में रिलीज हुई फिल्म जीरो में नजर आई थीं। इस फिल्म के बाद अनुष्का ने कोई फिल्म साइन नहीं की। हालांकि वह अपने प्रोडक्शन हाउस के तले कई फिल्में और सीरीज प्रोड्यूस कर रही थीं। इसके बाद अनुष्का प्रेग्नेंट हो गई थीं और अब बेटी के 1 साल पूरे होने के बाद अनुष्का फिल्मों में वापसी कर रही हैं। अब क्योंकि फिल्म क्रिकेट पर बनी है और इस बात से सब वाकिफ हैं कि अनुष्का के पति विराट कोहली हैं तो जाहिर सी बात है कि वह विराट से भी खेल को लेकर कुछ टिप्स लेती होंगी। अनुष्का ने बताया कि वह विराट से फीडबैक लेती रहती हैं। दरअसल, इंटरव्यू के दौरान अनुष्का ने चकदा एक्सप्रेस की ट्रेनिंग को लेकर बात की। अनुष्का ने बताया कि कैसे विराट उनकी इस दौरान मदद कर रहे हैं और वह विराट से बैटिंग टिप्स भी ले रही हैं।

मानुषी छिल्लर ने शूटिंग के दौरान थार रेगिस्तान में आने वाली मुश्किलों के बारे में बात की

डेब्यूटेंट मानुषी छिल्लर ने खुलासा किया है कि अक्षय कुमार अभिनीत अपनी पहली फिल्म पृथ्वीराज के एक महत्वपूर्ण दृश्य की शूटिंग के दौरान वह राजस्थान के रेगिस्तान में रेत के तूफान में फंस गई थीं। पृथ्वीराज के एक हिस्से की शूटिंग जैसलमेर में, थार रेगिस्तान के बीच में की गई है। एक दिन, शूटिंग के दौरान, रेत के तूफान के कारण चालक दल को तत्काल स्थान खाली करना पड़ा, लेकिन मानुषी, दुर्भाग्य से, इसके बीच में फंस गई थी। मानुषी कहती हैं कि मैं रेत के टीले के ऊपर थी और चालक दल को मुझे नीचे से शूट करना था। वे कुछ कहने की कोशिश कर रहे थे, लेकिन मुझे कुछ सुनाई नहीं दे रहा था। वे हाथ हिलाते हुए मेरी तरफ इशारा भी कर रहे थे, और चिल्ला रहे थे, लेकिन आवाज नहीं आ रही थी और मुझे लगा कि वे दृश्य के बारे में बात कर रहे हैं। अचानक कोरियोग्राफी टीम के एक व्यक्ति ने मुझे नीचे धकेल दिया, और मैं रेत के टीले से नीचे लुढ़क गई, जिसके बाद उन्होंने मुझे पकड़ लिया। वह आगे कहती हैं कि यह थोड़ा डरावना था, वैन तहस नहस हो गई थी और एक ब्लैक आउट हो गया था। मुझे मेरी वैनिटी वैन में ले जाया गया। हमने कुछ समय बाद शूटिंग फिर से शुरू की। पृथ्वीराज का निर्देशन डॉ. चंद्रप्रकाश द्विवेदी ने किया है, जो टेलीविजन महाकाव्य चाणक्य और समीक्षकों द्वारा प्रशंसित फिल्म पिंजर के निर्देशन के लिए जाने जाते हैं। पृथ्वीराज 3 जून को हिंदी, तमिल और तेलुगु में रिलीज होने वाली है।

साउथ की फिल्में चलती हैं क्योंकि उनमें कंटेंट अच्छा होता है: शिल्पा

बॉलीवुड फिल्में हमेशा ही लोगों के दिलों पर अलग छाप छोड़ती हैं लेकिन इन दिनों जितनी भी फिल्में रिलीज हुई कोई भी कुछ खास कमाल नहीं दिखा सकी। वहीं साउथ फिल्मों का इन दिनों खूब जलवा देखने को मिल रहा है और लोगों के बीच इनकी काफी लोकप्रियता काफी देखने को मिल रही हैं। बॉलीवुड फिल्मों की घटती पॉपुलैरिटी के बीच पिछले कुछ समय से सोशल मीडिया पर बॉलीवुड वर्सेज साउथ फिल्म इंडस्ट्री की डिबेट छाई हुई है। इस लड़ाई में साउथ के एक्टर्स समेत कई बॉलीवुड स्टार्स भी शामिल हैं जो इस पर अपना बयान दे रहे हैं। वहीं अब बॉलीवुड एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी भी साउथ बॉलीवुड डिबेट में कूद पड़ीं। हाल ही में फिल्म निकम्मा के ट्रेलर लॉन्च में पहुंची शिल्पा ने साउथ की फिल्मों के बढ़ती पॉप्युलैरिटी पर बयान दिया। शिल्पा ने कहा- साउथ की फिल्में इतनी चल रही है क्योंकि उनमें कॉन्टेंट होता है। मुझे निकम्मा को लेकर भी ये ये पूरा यकीन है कि यह फिल्म जरूर चलेगी क्योंकि इसमें कॉन्टेंट कॉमिडी और हर तरह का मसाला है।

च्वाइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम (CBCS)

आर्किटेक्ट धीरज सल्होत्रा
(प्रधान अध्यापक)
ठाकुर स्कूल ऑफ आर्किटेक्चर एंड प्लानिंग, मुंबई

नई शिक्षा नीति (NEP) "शिक्षार्थी केंद्रित दृष्टिकोण" पर जोर देती है। च्वाइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम (CBCS), शिक्षार्थी के लिए रुचि के आधार पर पाठ्यक्रम सामग्री को तय करने का अवसर पैदा करता है और शिक्षार्थी भविष्य के कैरियर की दिशा में आगे बढ़ता है। यह बदलाव शिक्षा और रोजगार के बीच की खाई को भरेगा

(CBCS) में छात्र अपनी रुचि के आधार पर अंतर-अनुशासनात्मक, अंतर-अनुशासनात्मक और कौशल-आधारित पाठ्यक्रम चुन सकते हैं। इसके लिए संस्थानों के पाठ्यक्रम के डिजाइन में लचीलेपन की आवश्यकता होती है और इसे सुगम बनाने की जिम्मेदारी विश्वविद्यालयों की होगी। CBCS आधारित दृष्टिकोण शिक्षा को अंतर्राष्ट्रीय मानकों के बराबर सुनिश्चित करता है।

(NEP) के हालिया प्रावधान 'शिक्षक से शिक्षार्थी केंद्रित' शिक्षा पर ध्यान केंद्रित करेंगे। यह एक छात्र को कई क्रेडिट चुनने की अनुमति देता है क्योंकि वे विभिन्न कार्यक्रमों से निपटने में सक्षम हैं। अंतःविषय कार्यक्रमों से पाठ्यक्रमों को मिलाने

का अवसर (CBCS) का मुख्य आकर्षण है।

(CBCS) दिशानिर्देश कुछ पाठ्यक्रमों को मुख्य पाठ्यक्रम के हिस्से के रूप में पहचानते हैं, जबकि वैकल्पिक या कौशल आधारित पाठ्यक्रमों का चुनाव शिक्षार्थी के पास रहता है। ग्रेड प्वाइंट आधारित मूल्यांकन प्रणाली की शुरूआत समानता सुनिश्चित करने के लिए पहला कदम है। आने वाले समय में, छात्र संस्थानों में पाठ्यक्रम पूरा करके और शिक्षा बेंचमार्क के स्तर को पूरा करके आवश्यक संचयी ग्रेड प्वाइंट औसत (CGPA) प्राप्त करने में सक्षम होंगे, जिसे छात्र पहुंचना या हासिल करना चाहता है।

कोर कोर्स (CC) के अलावा CBCS पैटर्न में, वैकल्पिक पाठ्यक्रम (EC) को अनुशासन विशिष्ट वैकल्पिक (CEC), योग्यता वृद्धि पाठ्यक्रम (AEC) और कौशल वृद्धि पाठ्यक्रम (SEC) में आगे विभाजित किया गया है। क्रेडिट आधारित मैसिव ओपन ऑनलाइन कोर्स (MOOC) पाठ्यक्रमों की प्रगति धीरे-धीरे गति पकड़ रही है। अधिक जानकारी के लिए शिक्षार्थियों को UGC पोर्टल पर CBCS दिशानिर्देशों की जांच करने की सलाह है।

भायंदर के वरिष्ठ-पत्रकार राजेन्द्र कांबले का निधन

मुंबई तरंग
संवाददाता । भाईंदर

भाईंदर । ' मीरा-भायंदर महानगरपालिका वार्ताहर संघ के संस्थापक / अध्यक्ष एवं मराठी दैनिक ' सामना ' के पूर्व वरिष्ठ पत्रकार, ' कानोसा ' के स्तंभ लेखक राजेन्द्र रामचंद्र कांबले का मीरा रोड़ के ' वोकार्ड अस्पताल ' में इलाज़ के दौरान ' अकास्मिक निधन ' हो गया है। गौरतलब है कि, पिछले ' तीन दशकों से पत्रकारिता ' क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देनेवाले वरिष्ठ पत्रकार राजेन्द्र कांबले के निधन से ' मीरा-भायंदर के पत्रकारों में शोक की लहर दौड़ गई है। ' राजेन्द्र कांबले ने राजनीतिक विश्लेषणात्मक ' कानोसा ' नाम की किताब लिखी थी। पत्रकारों के लिए हमेशा संघर्ष करनेवाले राजेन्द्र कांबले ' राजपत्रित पत्रकार ' भी रहे हैं। वे मुम्बई मंत्रालय, नागपुर अधिवेशन एवं ' स्पेशल रिपोर्ट ' कवरेज किया करते थे। मुम्बई से प्रकाशित होनेवाले मराठी दैनिक ' सामना ' , वृतमानस, मुम्बई संध्या में भी पत्रकारिता कर चुके हैं।

भायंदर से प्रकाशित होनेवाली हिंदी साप्ताहिक समाचार-पत्र ' भायंदर-भूमि ', समाचार पत्र से पत्रकारिता की शुरुवात की थी। ततश्चात मराठी साप्ताहिक शिलेदार, नवनगर, आजचा रक्षक, जनहितासाठी लेखनी समाचार-पत्र में भी शुरुवाती दौर में खूब लिखे।

उनका छोटा भाई जितेंद्र कांबले मीरा-भायंदर महानगरपालिका मुख्यालय के विज्ञापन-विभाग में जनसंपर्क विभाग में कार्यरत है। एक भाई मुलुंड में रहते हैं। उनके परिवार में तीन बहने , माता, पत्नी तथा उनका बेटा रोहन है। राजेन्द्र कांबले मूलतः महाराष्ट्र के जिला सांगली के, मिरज तहसील के मेहसाल गांव के मूल निवासी हैं। राजेन्द्र कांबले वर्तमान में भायंदर (पश्चिम) स्थित जी-1, गोवर्धन अपार्टमेंट , ठाकुर गली के निवासी हैं।

पश्चिम रेलवे के आरपीएफ ने अंधेरी स्टेशन पर चोर को पकड़ा

यात्रियों के जीवन की सुरक्षा और सुरक्षा के लिए पश्चिम रेलवे के रेलवे सुरक्षा बल (RPF) के जवान हमेशा सबसे आगे हैं। गहन निगरानी के एक और उदाहरण में, डब्ल्यूआर की आरपीएफ टीम ने चोरी के मोबाइल फोन के साथ एक चोर को पकड़ा।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी श्री सुमित ठाकुर द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार 18 मई, 2022 को एक मामले में रेलवे सुरक्षा बल अपराध निवारण एवं जांच दल (सीपीडीएस), अंधेरी स्टाफ हेड कांस्टेबल नवीन, कांस्टेबल अंकित और कांस्टेबल अनुज गुर्जर अंधेरी प्लेटफॉर्म नंबर पर बोरीवली स्लो ट्रेन से कूदते हुए एक संदिग्ध व्यक्ति को देखा। 03. कार्रवाई करते हुए सीपीडीएस की टीम ने तुरंत संदिग्ध का पीछा किया और उसे आरपीएफ पोस्ट, अंधेरी ले गई। इस बीच, एक यात्री भी पोस्ट पर पहुंचा और बोरीवली धीमी ट्रेन में यात्रा करते समय उसका मोबाइल फोन छीनने की सूचना दी। उन्होंने आगे पकड़े गए व्यक्ति की पहचान उसी व्यक्ति के रूप में की, जिसने उसका फोन छीन लिया था। संदिग्ध की जेब की जांच करने पर एक वीवो मोबाइल मिला। उसने अपना नाम एम डी रफीकुल शेख अंसराली बताया जिसकी उम्र 26 साल है और उसने यात्री का मोबाइल छीनना स्वीकार किया। उसे आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए जीआरपी/अंधेरी को सौंप दिया गया जहां उसके खिलाफ मामला दर्ज किया गया।

मनपा आयुक्त ने नाला सफाई और जल निकासी का किया स्थलीय निरीक्षण

मुंबई तरंग
गणेश पाण्डेय। भाईदंर

मानसून पूर्व मनपा आयुक्त की अध्यक्षता मे नाला सफाई का कार्य जोरो पर है बता दे कि बारिश के दिनो मे मीरा भाईदंर मनपा कार्यक्षेत्र मे कई निचले क्षेत्रो मे जलस्तर बढने से लोगो के घरों मे पानी घुसने की शिकायतें आती है हर वर्ष की भाँति इस वर्ष नाला सफाई की समीक्षा बैठक मनपा आयुक्त ने आयोजित कर नाला सफाई पर विशेष ध्यान देने को कहा जिसके अंतर्गत उन्होने आज स्वंय मनपा महापौर की उपस्थिति मे भाईदंर पश्चिम के गणेश देवले नगर भाईदंर पूर्व के नवघर रोड, केविन रोड, किरणनगर मीरा रोड रेलवे स्टेशन से सटे निचले क्षेत्रो का दौरा कर नालों की सफाई का मुयाआना किया। इस अवसर पर उनके साथ महापौर ज्योत्सना हस्नाले और मनपा के अतिरिक्त आयुक्त संभाजी पानपट्टे मनपा स्थायी समिति के अध्यक्ष राकेश शाह उपायुक्त रवि पवार अधिशासी अभियंता दीपक खाभिंत मुख्य स्वास्थ्य अधिकारी संदीप शिंदे राजकुमार काबंले संबंधित मनपा ठेकेदार और मनपा अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित थे।

जीवनधारा संघ का चतुर्थ ग्लोबल अवार्ड 2022का कार्यक्रम संपन्न

मुंबई:अंधेरी पश्चिम जुहू गली मुंबई मेयर सभागृह में भारत की प्रमुख सामाजिक संस्था जीवनधारा संघ संस्था द्वारा आयोजित स्वामी विवेकानंद ग्लोबल चतुर्थ अवॉर्ड शो -२०२२ संपन्न जो की बारह श्रेणी में अवॉर्ड बाटा गया झारखंड, नागपुर,दिल्ली अन्य अलग- अलग प्रदेश से लोग आए जिसमे अवॉर्ड वितरण अलग- अलग श्रेणी में हुई पुलीस विभाग सविता माने, खेल अवॉर्ड मनोज पाटील बॉडी बिल्डर, सईद शेख बॉडी बिल्डर व संतून द्वारकादस और आर्चिस पाटील, समाजसेवा अवॉर्ड संगीता तिवारी, पुष्पराज वेलंगणी व अहमद हक, युवा उद्यमी अवॉर्ड श्रेय कुकड़े, नर्शिंग अवॉर्ड अंकुश खोरगड़े, प्रिंट मीडिया अवार्ड सुरेश तिवारी व भालचंद होलम, इलेक्ट्रोनिक मीडिया अवार्ड प्रेमलता मोर्या, संजय मिश्रा, चंदा विरानी व राजकुमार विश्वकर्मा,फिल्म अवॉर्ड शिरीन फरीद, देव सोनिया,नीलम मालविया,करोना योद्धा प्रसाद शिंदे व शकील बेग व शिक्षा अवॉर्ड मीना राने और बेस्ट ऑफ जीवनधारा अवॉर्ड राजेश सुराना व आशा राजपूत को दिया गया इस मौके पर संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष गोविंद पाण्डेय प्रोग्राम के मुख्य अतिथ स्वप्निल दशरथ कोळेकर सहाय्यक अभियंता बृहन्मुंबई महानगरपालिका,माझी नगरसेवक हरिश शुक्ला चांदीवली विधानसभा, एसीपी सुजाता पाटील,जीवनधारा के संरक्षक मनोज झा व सुधा भारद्वाज और कानूनी सलहकार ॲड.आफ्रीन शेख,शिव शक्ति वाहतुक सेना के सचिव देवदत्त (बाला) भट्ट,युवा समाजसेवक संजीव डी झा व अतिथि समाजसेविका मंजू गुप्ता, पत्रकार रितेश पाठक व पत्रकार पवन पाठक और शशि लोहारुका (सेलिब्रिटी मैनेजर/सोशल एक्टिविस्ट) मौजूद रहे। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में जीवनधारा संघ के सह संस्थापिका नीलम पाण्डेय व राष्ट्रीय उपाध्यक्षा ॲड. रुपाली शेट्टी जिन्होंने पूरे प्रोग्राम की मंचन भी किया,सुशील मिश्रा व पदाधिकारियों ने अपना सहयोग दिया इस मौके पर संस्था के महाराष्ट्र प्रदेश महिला प्रभारी आरती चावला, महाराष्ट्र प्रदेश सचिव सन्तोष निषाद, युवा मुंबई अध्यक्ष सुशांत जठार पुष्पा पाठक, मीरा- भायंदर महिला उपध्यक्षा सुभांगी जाधव व सचिव रेनू त्रिपाठी और प्रदीप शर्मा उपस्थित रहे। जहाँ सभी सहयोगियों का संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष गोविंद पाण्डेय ने दिल से अभार व्यक्त किया।

कैरेबियाई देश की यात्रा पर राष्ट्रपति कोविंद, कहा- सेंट विंसेंट एंड ग्रेनेडाइंस के साथ साझेदारी भाईचारे की भावना पर आधारित

राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद अपनी दो कैरेबियाई देशों की यात्रा के दूसरे चरण में सेंट विंसेंट एंड ग्रेनेडाइंस में हैं। शुक्रवार को उन्होंने यहां भारतीय समुदाय के लोगों को संबोधित किया। उन्होंने कहा, सेंट विंसेंट एंड ग्रेनेडाइंस के साथ भारत की साझेदारी भाईचारे की भावना पर आधारित है। उन्होंने कहा प्रधानमंत्री राल्फ गोंजाल्विस की उपस्थिति में यहां की काल्डर रोड का नाम बदलकर "इंडिया ड्राइव" कर दिया गया। यह कैरेबियाई द्वीप राष्ट्र के साथ मजबूत भारतीय जुड़ाव को दर्शाता है। राष्ट्रपति कोविंद गुरुवार को यहां पहुंचे थे। इस दौरान राष्ट्रपति कोविंद ने सेंट विंसेंट एंड ग्रेनेडाइंस के गवर्नर जनरल डेम सुसान डौगन और प्रधान मंत्री गोंजाल्विस से मुलाकात की और आपसी सहयोग को मजबूत करने पर चर्चा की। राष्ट्रपति ने अपने संबोधन में कहा, यह जानकर खुशी हुई कि यहां रहने वाले भारतीय समुदाय के लोगों ने इस भूमि को अपना बना लिया है। वे अन्य समुदायों के साथ यहां शांति और सद्भाव में रहते हैं और राष्ट्र के विकास में समृद्ध योगदान दे रहे हैं।

मीरा भाईदंर विधायिका गीता जैन मनपाआयुक्त दिलीप ढोले जल अभियंता सुरेश वाकोडे और नगर सचिव नवनाथ पथ सहित मनपा अधिकारी गत बुधवार को महाराष्ट्र के जलसंपदा मंत्री जंयत पाटिल से मुलाकात कर एक समीक्षा बैठक की जिसके अंतर्गत मीरा भाईदंर मनपा क्षेत्र मे अतिरिक्त 1 लाख लीटर जल आपूर्ति हेतु का अनुरोध किया गया इस पर 8 दिनो के अंदर सभी अधिकारियों को निर्देश दिया गया आवश्यक उपाय करके इसका उपाय ढूंढ कर समाधान करे इस अवसर पर अतिरिक्त मुख्य सचिव भुषण गगरानी सचिव विलास राजपूत उपस्थित रहे।

सुप्रीम कोर्ट ने ज्ञानवापी मामला जिला अदालत को किया ट्रांसफर, कहा- शिवलिंग क्षेत्र की सुरक्षा के साथ नमाज भी रहेगी जारी

सुप्रीम कोर्ट ने ज्ञानवापी मामला वाराणसी की जिला अदालत को ट्रांसफर कर दिया है। सर्वोच्च अदालत ने शुक्रवार को आदेश दिया कि कोई अनुभवी और वरिष्ठ जज इस मामले की सुनवाई करेंगे। वाराणसी जिला अदालत के आदेश के खिलाफ अंजुमन इंतेजामिया मस्जिद कमेटी की याचिका पर सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने यह फैसला सुनाया। साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने आदेश दिया कि शिवलिंग की सुरक्षा और नमाज की इजाजत देने का उसका 17 मई का अंतरिम आदेश बरकरार रहेगा। मस्जिद कमेटी की याचिका पर जिला अदालत में प्राथमिकता के आधार पर सुनवाई होगी। इसके साथ ही अदालत ने मामले की अगली सुनवाई गर्मी की छुट्टियों के बाद जुलाई के दूसरे हफ्ते में करने का फैसला लिया है।

सुप्रीम कोर्ट ने जिला अदालत को ट्रांसफर किया मामला

सर्वोच्च अदालत ने ज्ञानवापी मस्जिद मामले को जिला न्यायाधीश वाराणसी को स्थानांतरित करने का आदेश दिया। सुप्रीम कोर्ट ने आदेश दिया कि उत्तर प्रदेश न्यायिक सेवा के वरिष्ठ और अनुभवी न्यायिक अधिकारी मामले की सुनवाई करेंगे। कोर्ट ने कहा कि थोड़ा अधिक अनुभवी और परिपक्व व्यक्ति को इस मामले की सुनवाई करनी चाहिए। हम ट्रायल जज पर आक्षेप नहीं कर रहे हैं, लेकिन अधिक अनुभवी हाथ को इस मामले से निपटना चाहिए और इससे सभी पक्षों को फायदा होगा।

कोर्ट ने कहा कि मस्जिद के अंदर पूजा के मुकदमे की सुनवाई जिला न्यायाधीश द्वारा की जाए। जिला न्यायाधीश मस्जिद समिति की याचिका पर फैसला करेंगे कि हिंदू पक्ष द्वारा मुकदमा चलने योग्य है या नहीं। तब तक अंतरिम आदेश- 'शिवलिंग क्षेत्र की सुरक्षा, नमाज के लिए मुसलमानों को प्रवेश' जारी

रहेगा। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि 1991 के पूजा स्थल अधिनियम की धारा 3 के तहत धार्मिक चरित्र का पता लगाने पर रोक नहीं है। अदालत ने कहा, भूल जाएं कि एक तरफ मस्जिद है और दूसरी तरफ मंदिर। मान लीजिए कि यहां एक पारसी मंदिर है और कोने में एक क्रॉस है। क्या 'अग्यारी' की उपस्थिति क्रॉस अग्यारी या अग्यारी को ईसाई बनाती है? मस्जिद कमेटी के वकील की दलील मस्जिद कमेटी के वरिष्ठ अधिवक्ता हुजेफा अहमदी ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि ट्रायल कोर्ट द्वारा शुरू से ही पारित सभी आदेश बड़ी सार्वजनिक गड़बड़ी पैदा करने में सक्षम हैं। अहमदी ने कहा कि कमेटी की चुनौती ट्रायल कोर्ट द्वारा आयोग नियुक्त करने की है। यह 1991 के पूजा अधिनियम के खिलाफ और संविधान के विरुद्ध है। अधिनियम कहता है कि इस तरह के विवादों से बड़ी सार्वजनिक गड़बड़ियां होंगी। आयोग की रिपोर्ट चुन-चुन कर लीक की जा रही है।

हुजेफा अहमदी का यह भी कहना है कि निचली अदालत के समक्ष वादी उस स्थान को सील कराने में सफल हुए, जिसका उपयोग अगले 500 वर्षों से किया जा रहा था। अहमदी ने दलील दी कि जब तक समिति की याचिका पर अदालत द्वारा फैसला नहीं किया जाता तब तक जमीन पर क्या होगा? आपको देखना होगा कि देश भर में चार या पांच मस्जिदों के लिए इस मामले का कैसे इस्तेमाल किया जा रहा है। यह सार्वजनिक गड़बड़ी पैदा करेगा जिससे बचने के लिए 1991 का पूजा अधिनियम बनाया गया था। अहमदी ने कहा, हमारे अनुसार जो अंदर पाया गया वह शिवलिंग नहीं है, यह एक फव्वारा है, वजू खाना को सील कर दिया गया है और भारी पुलिस उपस्थिति के साथ लोहे के गेट लगाए गए हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा, हमारा उद्देश्य शांति बनाए रखना

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि एक बार आयोग की रिपोर्ट आ जाने के बाद जानकारी लीक नहीं हो सकती। प्रेस को बात लीक न करें, केवल जज ही रिपोर्ट खोलते हैं। अदालत ने कहा कि ये जटिल सामाजिक समस्याएं हैं और इंसान के तौर पर कोई भी समाधान सटीक नहीं हो सकता। हमारा आदेश कुछ हद तक शांति बनाए रखना है और हमारे अंतरिम आदेशों का उद्देश्य थोड़ी राहत देना है। हम देश में एकता की भावना को बनाए रखने के संयुक्त मिशन पर हैं।

हिंदू पक्ष के वकील ने कहा, हम आदेश से खुश

हिंदू पक्ष के वकील विष्णु जैन ने कहा, सुप्रीम कोर्ट ने मामला वाराणसी जिला अदालत को ट्रांसफर कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट का कहना है कि उसका 17 मई का शिवलिंग क्षेत्र की सुरक्षा का आदेश जारी रहेगा। वजू के इंतजाम करने को कहा गया है। हम इस आदेश से खुश हैं।

यह हिन्दी साप्ताहिक मालक, मुद्रक, प्रकाशक - दिलीप नानजीभाई पटेल द्वारा 403, बिल्डिंग नं.1, रोशन नगर, एस.आर.ए, सी.एच.एस. लि. नियर गणेश मंदिर, ओशिविरा जोगेश्वरी (प्र) मुंबई 400102 से मुद्रित कर एस.आर. पब्लिकेशन एवं प्रिंटींग प्रेस, गाला नं.8/9/10, नीयर घरातन पाड़ा ऑपोजिट रामेश्वरम बिल्डिंग, वैशाली नगर लास्ट बस स्टोप टाईटल फ्रंट, दहिसर (पूर्व), मुंबई 400068 से प्रकाशित किया गया है। संपादकः दिलीप नानजीभाई पटेल,
उप संपादकः किरीट अमृतलाल चावड़ा RNI No. MAHHIN/2020/78591 Mob: 7666090910 / 9574400445 Email : mumbaitarang@gmail.com / pateldilipuk2014@gmail.com वाद-विवाद का क्षेत्र मुंबई होगा।